चम्पावत जिले के सूखीढंग डांडा मीनार रोड स्थित बुडम के पास देर रात वाहन खाई में गिर गया। दोपहर बाद सभी 14 शव निकाले जा चुके हैं। जिनकी पहचान भी हो गई है। दो घायलों का इलाज चल रहा है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 72 दिनांक: 23-02-2022 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूस समर्थित विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों को मान्यता दे दी। जिसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़ते जा रहे हैं। यूक्रेन-रूस के बीच तनाव कम करने को लेकर संयुक्त राष्ट्र परिषद की बैठक हुई।

यूपी विधानसभा चुनाव में चौथे चरण का मतदान आज, दांव पर है कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत नौ जिलों की 59 सीटों पर बुधवार को मतदान किया जाएगा। चौथे चरण के लिए चुनाव प्रचार का दौर सोमवार की शाम समाप्त हो गया। विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में 23 फरवरी को पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बांदा और फतेहपुर जिलों की कुल 59 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा।

विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में कुल 624 उम्मीदवार मैदान में हैं। वर्ष 2017 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में इन 59 में से 51 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। इसके अलावा सपा को चार, बसपा को तीन और भाजपा के सहयोगी अपना दल-सोनेलाल को एक सीट मिली थी।

चौथे चरण का चुनाव प्रचार काफी 'हाई वोल्टेज' वाला रहा और सभी राजनीतिक दलों ने प्रचार कार्य में अपनी पूरी ताकत झोंक दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा के निशाने पर ज्यादातर सपा ही रही। भाजपा ने अहमदाबाद बम धमाके के मामले में पिछले शुक्रवार को अभियुक्तों को सुनाई गई सजा को लेकर सपा पर तीखे वार किए और उसे आतंकवादियों से हमदर्दी रखने वाली पार्टी करार दिया। कांग्रेस महासचिव और पार्टी की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने जगह-जगह रोड शो और सभाएं कर पार्टी प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे और मतदाताओं से अपील की कि वे धर्म और जाति के आधार पर नहीं बल्कि बुनियादी मुद्दों पर ही वोट दें।

उधर, अखिलेश यादव की अगुवाई में सपा गठबंधन ने भाजपा की कथित नाकामियों गिनाते हुए मतदाताओं से वोट मांगे। अखिलेश ने अपनी ज्यादातर रैलियों में चुनाव के पहले तीन चरणों मे सपा गठबंधन को जोरदार समर्थन प्राप्त होने का दावा करते हुए कहा इस बार चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक पराजय होगी। बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी कई रैलियां करके जनता से सपा, भाजपा और कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने की अपील की और कहा कि प्रदेश की जनता को असली सुशासन सिर्फ बसपा दे सकती है।

चौथे चरण में जिन प्रमुख उम्मीदवारों की प्रतिष्ठा दांव पर है उनमें प्रदेश के कानून मंत्री बृजेश पाठक (लखनऊ कैंट), मंत्री आशुतोष टंडन (लखनऊ पूर्वी) पूर्व मंत्री सपा प्रत्याशी अभिषेक मिश्रा (सरोजिनी नगर), उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल (हरदोई) शामिल हैं। इसके अलावा नेहरू-गांधी परिवार का 'गढ़' माने जाने वाले रायबरेली में भी चौथे चरण में मतदान होना है। यहां कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई आदिति सिंह एक बार फिर मैदान में हैं। मतदान सुबह सात बजे शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा।

बारातियों से भरा वाहन खाई में समाया, 14 बारातियों की मौत

चंपावत, 22 फरवरी। टनकपुर के पंचमुखी धर्मशाला से ककनई गांव में लौट रही बारात वाहन संख्या यूके04टीए-4712 सुखीधांग - डाडामीनार रोड पर ढेकाढूंगा के समीप अनियंत्रित होकर लगभग 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहन में वाहन चालक समेत 16 लोग सवार थे जिसमे से 14 लोगों की मृत्यु मौके पर ही हो गई। इनमें से दो लोग घायल हुए हैं जिनको टनकपुर हॉस्पिटल में उपचार के लिए ले जाया गया है। जानकारी के अनुसार वाहन सोमवार रात 10 से 11 बजे के आस पास दुर्घटना ग्रस्त हुआ बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर दुर्घटना की जानकारी ली एवं मृतकों एवं घायलों को नियमानुसार सहायता देने के आश्वासन दिया। वहीं जिलाधिकारी विनीत तोमर ने बताया कि रेस्क्यू टीम, एसडीआरएफ, प्रशासन एवं स्थानीय नागरिकों की सहायता से सभी 12 लोगों के शवों को निकाल लिया गया है बाकी दो शवों को निकलने में टीमें जुटी हुई हैं। घायलों को चिकित्सा उपचार हेतु टनकपुर अस्पताल में भेजा गया है। मौके पर जिलाधिकारी विनीत तोमर, पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा, एसडीएम हिमांशु कफल्टिया, सीओ टनकपुर, तहसीलदार पिंकी आर्य डीडीएमओ मनोज पांडे आदि मौजूद रहे।

मृतकों की सूची -

1 - लक्ष्मण सिंह पुत्र ध्यान सिंह उम्र 61 वर्ष निवासी ककनाई, 2 - केदार सिंह पुत्र दान सिंह आयु 62 वर्ष निवासी ककनई, 3 - ईश्वर सिंह पुत्र फतेह सिंह उम्र 40 वर्ष निवासी ककनई 4 - उमेद सिंह पुत्र गणेश सिंह उम्र 48 निवासी ककनई 5 - हयात सिंह पुत्र दीवान सिंह उम्र 37 वर्ष निवासी ककनई 6 - पुनी देवी पत्नी नारायण सिंह उम्र 55 वर्ष निवासी हल्द्वानी 7 - भगवती देवी पत्नी होशियार सिंह उम्र 45 वर्ष 8 - पुष्पा देवी पत्नी शेर सिंह उम्र 50 वर्ष निवासी ककनई 9 - बसंती देवी पत्नी नारायण दत्त भट्ट उम्र 35 वर्ष निवासी चंपावत 10 - श्यामलाल पुत्र धनीराम उम्र 50 वर्ष निवासी डांडा 11 - विजय लाल पुत्र ईश्वरी राम उम्र 48 वर्ष निवासी डांडा 12 - हीरा सिंह पुत्र उमेश सिंह आयु 15 वर्ष निवासी डांडा 13 - देवंशी पुत्री बसंती देवी उम्र 4 वर्ष निवासी चंपावत 14 - नीलावती पत्नी कुंवर सिंह उम्र 58 वर्ष निवासी चोरगलिया

घायलों की सूची - 1 - वाहन चालक प्रकाश राम पुत्र हरीश राम उम्र 28 वर्ष निवासी साल, पाटी 2 - त्रिलोक राम पुत्र टीका राम उम्र 42 निवासी ककनाई।

गुरमीत राम रहीम सिंह को मिली जेड प्लस सुरक्षा दी गई

चंडीगढ़ (ईएमएस)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को जेड प्लस सुरक्षा दी गयी है। यह सुरक्षा हरियाणा की एक जेल से 'फरलो' पर 21 दिनों की रिहाई के दौरान जारी रहेगी। सिंह को सात फरवरी को रिहा होने के बाद उच्च श्रेणी की सुरक्षा दी गयी थी, क्योंकि सिंह की जान को ''खालिस्तान समर्थक'' तत्वों से खतरा है।हरियाणा पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी की ओर से रोहतक रेंज के आयुक्त को हाल ही में भेजे एक संदेश में कहा गया है, ''यदि कैदी को पैरोल पर रिहा किया जाता है, तो मौजूदा नियमों के अनुसार जेड-प्लस सुरक्षा या समतुल्य सुरक्षा प्रदान की जा सकती है, क्योंकि कैदी को भारत और विदेशों में कट्टरपंथी सिख चरमपंथियों से उच्च स्तरीय खतरा है।''

आधिकारिक संवाद में कहा गया है, 'खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ताओं से गुरमीत राम रहीम सिंह को खतरे के संबंध में विश्वसनीय जानकारी है।'डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को सात फरवरी को रिहा किया गया था, जब हरियाणा सरकार ने निष्कर्ष निकाला था कि वह कट्टर कैदियों की श्रेणी में नहीं आता है। सिंह इस समय अपने गुरुग्राम आश्रम में है और उसे कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। गुरमीत राम रहीम सिंह को 'फरलो' दिए जाने से पहले, जेल अधिकारियों के आग्रह पर कानूनी राय ली गयी थी कि क्या सिंह कट्टर अपराधियों की श्रेणी में आता है या नहीं।

सिंह को 21 दिनों की छुट्टी पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले मिली थी। पंजाब में इस पंथ के बड़ी संख्या में अनुयायी हैं, खासकर बठिंडा, संगरूर, पटियाला और मुक्तसर में।सात फरवरी को, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सिंह की रिहाई और 20 फरवरी को पंजाब विधानसभा चुनाव के बीच कोई संबंध होने से इनकार किया था। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक संयोग है और इसका चुनाव से कोई संबंध नहीं है।'

कार्टून कोना

यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को लेकर दिल्ली लौट रही स्पेशल फ्लाइट में हुई देरी, 241 यात्री हैं सवार,

कीव। यूक्रेन पर हमले की गहराती आशंका के बीच भारत ने यूक्रेन और आसपास के क्षेत्रों में रह रहे भारतीय नागरिकों को वहां से निकालने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। मंगलवार को सुबह यूक्रेन से एयर इंडिया की एक फ्लाइट भारत के लिए रवाना हुई थी, जिसमें 241 यात्री सवार हैं। ये फ्लाइट थोड़ी देरी से भारत पहुंचेगी। पहले इसे रात को 10.15 तक यहां पहुंचना था, लेकिन कुछ कारणों से फ्लाइट थोड़ी डिले हो गई है। अब यह साढ़े ग्यारह बजे यहां पहुंचेगी।

रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत ने अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने का फैसला किया है। यूक्रेन में भारतीय दूतावास के अनुसार, भारत कीव से दिल्ली के लिए 25 फरवरी, 27 फरवरी (दो उड़ानें) और छह मार्च को अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगा।

यूक्रेन-रूस के बीच युद्ध की आशंका के चलते भारतीय छात्रों को यूक्रेन में दूतावास ने पहले ही स्वदेश लौटने की एडवाइजरी जारी कर दी थी, लेकिन फ्लाइट बंद होने के चलते भारतीय छात्रों के स्वजन बेहद परेशान थे। भारत ने एक बार फिर से भारतीय नागरिकों और छात्रों से तुरंत यूक्रेन छोड़ने की अपील की है। कीव स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि भारतीय छात्र यूनिवर्सिटी द्वारा आनलाइन कक्षाओं की आधिकारिक पुष्टि के बजाय वापस देश लौट आएं।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा है कि रूस के साथ यूक्रेन की सीमा पर बढ़ता तनाव गहरी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में 20 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र और नागरिक विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

डोनेत्सक और लुहान्सक की सुरक्षा के लिए यूक्रेन जाएंगे रूसी सैनिक, संसद ने दी अनुमति

मास्को। पूर्वी यूक्रेन के डोनबास स्थित डोनेत्सक और लुहान्सक को स्वतंत्र देश घोषित करने के बाद अब वहां की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेवारी भी रूस की है। सीएनएन के अनुसार इसके लिए रूसी संसद ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। दरअसल सोमवार को पूर्वी यूक्रेन के दो विद्रोही इलाकों डोनेत्सक और लुहान्सक को अलग देश की मान्यता देने का एलान रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन ने किया था और अब मंगलवार को वहां की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन ने संसद के ऊपरी सदन से अनुमति मांगी कि रूस से बाहर देश के सैनिकों का इस्तेमाल किया जा सके। यह जानकारी रूस के उपरक्षा मंत्री ने दी।

पूर्वी यूक्रेन के दो विद्रोही इलाकों डोनेत्सक और लुहान्सक की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन ने संसद के ऊपरी सदन से अनुमति मांगी कि रूस से बाहर देश के सैनिकों का इस्तेमाल किया जा सके। यह जानकारी रूस के उपरक्षा मंत्री ने दी।

चुनाव मणिपुर के आने वाले 25 साल को निर्धारित करने वाला : पीएम मोदी

क्षेत्र को स्पोर्ट्स का इंटरनेशनल हब बनाएगी

इंफाल (ईएमएस)। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। पंजाब, गोवा और उत्तराखंड में मतदान हो चुका है, जबकि यूपी में तीसरे चरण का मतदान हो चुका है। जबकि मणिपुर में भी अभी मतदान बाकी है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को मणिपुर के हिंगांग में जनसभा को संबोधित कर जनता को सरकार की उपलब्धियां गिनाई। मोदी ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत मणिपुर में 60 हजार से ज्यादा घर बनाएं जा रहे हैं। इनमें से ज्यादातर पर मालिकाना हक महिलाओं का है। मोदी ने कांग्रेस पर हमला कर कहा कि कांग्रेस पार्टी, नॉर्थ ईस्ट के लोगों की भावनाओं को, यहां के लोगों की तकलीफों को कभी समझ ही नहीं सकी। ये एनडीए की सरकार है, जो नॉर्थ ईस्ट को अष्ठ लक्ष्मी मानते हुए,भारत के विकास का ग्रोथ इंजन मानते हुए, काम कर रही है। आप सभी की सेवा, आप सभी का विकास ही हमारी प्राथमिकता है।

मोदी ने कहा कि बीते दशकों में आपने अनेक सरकारों, उनका कामकाज और उनके कारनामे देख चुके हैं। दशकों के कांग्रेस शासन में मणिपुर को असमानता और असंतुलित विकास ही मिला, लेकिन बीते 5 वर्षों में बीजेपी की डबल इंजन की सरकार ने मणिपुर के विकास का पूरी ईमानदारी से प्रयास किया है। ये चुनाव मणिपुर के आने वाले 25 साल को निर्धारित करने वाला है, स्थिरता और शांति की जो प्रक्रिया इन 5 सालों में शुरू हुई है उसमें अब हमें स्थायी बनाना है। इसलिए मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बननी बहुत आवश्यक है। मणिपुर में जो देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाई गई है,वहां इस क्षेत्र को स्पोर्ट्स का इंटरनेशनल हब बनाएगी। बीजेपी सरकार पूरे नॉर्थ ईस्ट में स्पोर्ट्स टैलेंट को प्रोत्साहित कर रही है, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश कर रही है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने कभी आपके सामर्थ्य पर विश्वास नहीं किया, आपसे स्नेह नहीं किया। आज भी कांग्रेस के नेता यहां आकर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। लेकिन दूसरे राज्यों में जाते ही पूर्वोत्तर की संस्कृति, पूर्वोत्तर के पहनावे का मजाक उड़ाते हैं। भाजपा सरकार ने मणिपुर में असंभव को भी संभव बनाया है। बंद और ब्लॉकेड से मणिपुर का शहर हो या गांव, हर क्षेत्र को राहत मिली है। वरना कांग्रेस सरकार ने बंद और ब्लॉकेड को ही मणिपुर का भाग्य बना दिया था।

वुहान के जिस लैब से निकला कोरोना, उसके मालिक हैं बिल गेट्स- मेधा पाटकर

मुंबई, (ईएमएस)। सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने एक सनसनीखेज बयान दिया है. मेधा पाटकर ने कहा है कि कोरोना की शुरुआत जिस वुहान लैब से होने का दावा किया जाता है, उस वुहान लैबोरेटरी के मालिक बिल गेट्स हैं. मेधा पाटकर का दावा है कि चीन की वुहान लेबोरेटरी का स्वामित्व बिल गेट्स फाउंडेशन के पास है. मेधा पाटकर के इस बयान से संबंधित खबर एक प्रसिद्ध मराठी न्यूज वेबसाइट ने छापी है. दरअसल मेधा पाटकर ने यह बयान पुणे के एक कार्यक्रम में दिया है. वे गन्ना किसानों पर होने वाले अन्याय को लेकर आवाज उठाने के लिए एक कार्यक्रम में भाग ले रही थीं. पुणे में ऐसे ही एक कार्यक्रम में उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि कोरोना जिस लैब से निकला है उस लैब के मालिक बिल गेट्स हैं. बिल गेट्स फाउंडेशन ने पूरी दुनिया के खेतों पर कब्जा करने की योजना बनाई है. अमेरिका में दो लाख 40 हजार एकड़ जमीन के मालिक होने के बावजूद जमीन को लेकर उनकी भूख कम नहीं हुई है. मेधा पाटकर ने इस मौके पर किसान आंदोलन का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने किसानों की मांगों पर समय रहते ध्यान नहीं दिया. इसी वजह से 715 किसान शहीद हो गए. वही तोमर आज बिल गेट्स को भारत आने का निमंत्रण दे रहे हैं. इन सबकी वजह खेती के कार्पोरेटाइजेशन का प्लान है.

बाराबंकी के किसानों ने योगी की रैली से पहले सैकड़ों मवेशियों को खुले मैदान में छोड़ा

लखनऊ (ईएमएस)। बाराबंकी के किसानों ने सीएम योगी आदित्यनाथ की रैली से पहले सैकड़ों की संख्या में मवेशियों को खुले मैदान में छोड़ दिया। पूर्व नेता रमनदीप सिंह मान की ओर से ट्वीट किए गए वीडियो में बड़ी संख्या में आवारा मवेशियों को खुले मैदान में घूमते देखा जा सकता है।

मान ने ट्वीट में लिखा, 'बाराबंकी में सीएम योगी के कार्यक्रम से पहले किसानों ने खेतों से खदेड़कर सैकड़ों पशु रैली स्थल में छोड़ दिये, किसानों से तो इन छुट्टा जानवरों का इलाज निकला नहीं, और 5 साल में यूपी सरकार ने भी कोई इलाज नहीं निकाला। अब देखना यह था कि कार्यक्रम से पहले बीजेपी वाले क्या इलाज निकालते हैं!'

इस मुद्दे को लेकर हालांकि सीएम या बाराबंकी प्रशासन की ओर से तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिली लेकिन सीएम योगी ने आज शाम को एक वीडियो ट्वीट किया जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी, यूपी में बीजेपी के सत्ता में आने पर आवारा मवेशियों की समस्या हल करने का वादा कर रहे हैं। पीएम मोदी ने रविवार को एक रैली में कहा, 'आवारा पशुओं के कारण आप लोगों को जो परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, उससे निपटने के लिए 10 मार्च के बाद नई व्यवस्था लागू की जाएगी। ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी जिसके तहत आप ऐसे पशुओं के गोबर से भी आमदनी कर सकेंगे जो दूध नहीं देते।'

हालांकि सीएम योगी के ट्वीट को लेकर कांग्रेस ने पलटवार करने में देर नहीं लगाई। कांग्रेस ने पांच साल के दौरान इस मसले की अनदेखी के लिए बीजेपी सरकार को आड़े हाथ लिया। पार्टी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ और पीएम मोदी को आवारा मवेशियों की समस्या केवल चुनाव के पहले ही नजर आती है।

पेगासस मामले में शुक्रवार को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

सॉलिसिटर जनरल की मानी बात

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट पेगासस मामले में शुक्रवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में मामले की बुधवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में दलील देने में व्यस्त रहूंगा, लिहाजा बुधवार को सुनवाई न की जाए। इसपर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना की अगुवाई वाली बेंच ने मामले में सुनवाई बुधवार के बजाय शुक्रवार को करने पर तैयार हो गया। दरअसल, 27 अक्टूबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस जासूसी मामले में जांच के लिए तकनीकी कमिटी का गठन किया था। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस आरवी रवींद्रन, कमिटी के कामकाज की निगरानी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कमिटी से पेगासस मामले में लगाए गए आरोपों की जांच करने का निर्देश देकर कहा था कि हर नागारिक के निजता के अधिकार के उल्लंघन को प्रोटेक्ट करना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस रमना की अगुवाई वाली बेंच ने इस दौरान टिप्पणी करते हुए कहा था कि राज्य (केंद्र सरकार) सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करके कोर्ट को मूक दर्शक नहीं बना सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस दलील को ठुकरा दिया था,इसमें केंद्र सरकार ने मामले की जांच के लिए खुद से एक्सपर्ट पैनल बनाने की बात कही थी। कोर्ट ने कहा कि ऐसी कोई भी पहल पक्षपात के खिलाफ न्यायिक सिद्धांत का उल्लंघन होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कमिटी से जल्दी से जल्दी रिपोर्ट पेश करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट पेगासस जासूसी मामले में याचिकाकर्ताओं की एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका पर फैसला सुनाया गया था। इससे पहले केंद्र सरकार ने कहा था कि वह हलफनामा दायर नहीं करना चाहती तब सुप्रीम कोर्ट ने मामले में अंतरिम आदेश पारित करने की बात कही थी।

स्वामी प्रसाद मौर्य के बिगड़े बोल तो योगी-मोदी को चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीजेपी छोड़ सपा में शामिल हुए पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने सोमवार को अहमदाबाद ब्लास्ट पर पीएम मोदी के बयान पर कहा अगर अभी तक आतंकवादी जिंदा हैं तो मोदी-योगी को चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए। बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य स्टार प्रचारक के रूप में सपा में काम कर रहे हैं। इसके अलावा सदर विधानसभा प्रत्याशी के सर्मथन मे स्वामी प्रसाद मौर्या ने भूएमऊ की सभा में सबसे सपा प्रत्यासी आरपी यादव को जिताने की अपील की। उन्होने कहा कि भाजपा झूठों और मक्कार लोगो की पार्टी बन कर रह गई है। जो इनका साथ देते हैं उनको ही यह किनारे लगा देते हैं। जो भी नौकरी निकली वह इनके अपनों को दी गई। योगी प्रदेश में और मोदी केन्द्र में हैं। फिर भी आतंकवादी जिन्दा हैं तो दोनो लोगों को चूल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए। भाजपा की नीतियों से व्यापारी वर्ग त्रस्त हैं। मोदी जी को सिर्फ गुजरात के ही व्यापारी दिखाई देते हैं। भाजपा की सरकार से विदाई होने जा रही है। अब शेखचिल्ली बघारना बन्द करो। योगी सरकार नौजवान किसान विरोधी है, इसके साथ ही आरक्षण की भी विरोधी है। यह सरकार संविधान की भी विरोधी है। योगी सरकार का पाप का घड़ा भर चुका है।

रूस यूक्रेन पर गिरा सकता है महाविनाशक 'फादर ऑफ ऑल बॉम्ब', ब्रिटिश सेना के दावे से मची खलबली

लंदन (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग की स्थिति पैदा हो गई है। रूस के करीब दो लाख सैनिकों ने यूक्रेन को घेर रखा है। बताया जाता है कि रूस ने हमले की तैयारी कर ली है। ब्रिटिश रक्षा सूत्रों का दावा है कि रूस अपने हमले की शुरुआत 'फादर ऑफ ऑल बॉम्ब' से कर सकता है।

रूस का यह बम परमाणु बम के बाद दुनिया में सबसे शक्तिशाली गैर नाभकीय बम माना जाता है।

इस बम के फटने से 44 टन टीएनटी के बराबर विस्फोट होता है। एक ब्रिटिश अखबार ने ब्रिटिश रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया है कि रूसी राष्ट्रपति ने 'फादर ऑफ ऑल बॉम्ब' को गिराने की मंजूरी दे दी है, जो उनके दहशत पैदा करने की रणनीति का हिस्सा है। इस महाविनाशक हथियार को फाइटर जेट से गिराया जा सकता है जो बीच हवा में फट जाता है और उसी तरह से तबाही मचाता है जैसे एक छोटे परमाणु बम को गिराने से होता है। हवा और ईंधन के मिलने से यह और भी भयानक हो जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इस बम को गिराने पर सुपरसोनिक लहर उठती है। इस बम के फटने से इतनी ऊर्जा और ताप निकलती है कि यह अपने लक्ष्य को भाप में बदल देता है। ब्रिटिश सूत्रों ने कहा कि पुतिन यूक्रेन की जनता के लड़ने के जज्बे को खत्म करने के लिए युद्ध की शुरुआत के तौर पर 'फादर ऑफ ऑल बॉम्ब' को गिरा सकते हैं। इस बम को रूस ने कथित तौर पर सीरिया में गिराया था।

रक्षा सूत्र ने कहा इस बम का असर बहुत भयानक होगा। यह एक तरह का मनोवैज्ञानिक हथियार है। इससे बड़ी संख्या में लोग मारे जाएंगे और टैंक तबाह हो जाएंगे। फादर ऑफ ऑल बम को अमेरिका के मदर ऑफ ऑल बम से 4 गुना ज्यादा ताकतवर है। फादर ऑफ ऑल बॉम्ब को रूस ने साल 2007 में विकसित किया था।

इससे होने वाली तबाही लगभग परमाणु बम जैसी ही होती है, लेकिन इससे रेडिएशन का खतरा नहीं होता। यह बम फिलहाल सिर्फ रूस के पास है। इस बम को गिराने के बाद यह हवा में ही फट जाता है। 'फादर ऑफ ऑल बॉम्ब' के फटने से 44 टन ऊर्जा पैदा होती है जबकि मदर ऑफ ऑल बम फटने पर 11 टन ऊर्जा पैदा करता है। 'फादर ऑफ ऑल बॉम्ब' का वजन 7 हजार 100 किलोग्राम है। अमेरिका ने जब अफगानिस्तान पर अपना गैर-परमाणु बम गिराया था तब उसने जमीन में 1000 फीट नीचे तक छेद कर दिया था और आसपास का पूरा इलाका तबाह हो गया था।

रूस का बम इससे कई गुना ज्यादा तबाही मचा सकता है। इससे पहले रूस ने यूक्रेन में जारी तनाव के बीच शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र से महाविनाशक मिसाइलों की बारिश का अभ्यास करके पूरी दुनिया को दहशत में डाल दिया था। रूसी मिसाइलों में परंपरागत मिसाइलों के साथ-साथ दो हाइपरसोनिक मिसाइलें भी शामिल थीं जिनका तोड़ अभी दुनिया में किसी भी देश के पास नहीं है। ये रूसी मिसाइलें दुनिया के किसी भी कोने में परमाणु बम गिराने में सक्षम हैं जिससे किसी भी शहर को पलभर में राख के ढेर में बदला जा सकता है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की अटकलों को खारिज किया

मुंबई/पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। पटना में मीडिया से संक्षिप्त बात करते हुए नीतीश कुमार ने इन चर्चाओं (राष्ट्रपति पद को लेकर उनकी दावेदारी संबंधी) को बेफिजूल करार देते हुए कहा, 'इसका तो हमारे दिमाग में कोई आइडिया ही नहीं है। न हमारी कोई कल्पना है।'

ज्ञात रहे कि महाराष्ट्र के मंत्री और राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि है देश के अगले राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार पर कोई भी फैसला विभिन्न दलों के नेताओं द्वारा सामूहिक रूप से लिया जाएगा और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नाम पर तभी विचार किया जा सकता है जब उनकी पार्टी जद(यू) भाजपा के साथ संबंध तोड़ती है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए नवाब मलिक ने दावा किया कि भाजपा को पांच राज्यों - उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में हार का सामना करना पड़ेगा और भगवा पार्टी को 403 सदस्यीय यूपी विधानसभा में 150 से कम सीटें मिलेंगी।

उन्होंने आगे कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय स्तर पर एक भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस विषय में उन्होंने हाल के दिनों में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और उनकी पश्चिम बंगाल की समकक्ष ममता बनर्जी की महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के शीर्ष नेताओं से मुलाकात का जिक्र किया। एनसीपी नेता ने कहा कि मोर्चा विपक्षी दलों के सामूहिक नेतृत्व में बनाया जाएगा। साथ ही उन्होंने जोड़ा कि कांग्रेस के बिना इस तरह का मोर्चा नहीं बनाया जा सकता। एक सवाल के जवाब में मलिक ने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए नीतीश कुमार के (विपक्ष के) उम्मीदवार होने की खबरें हैं।

उन्होंने कहा, ठइस पर तब तक चर्चा नहीं हो सकती जब तक वह (नीतीश कुमार) भाजपा से नाता न तोड़ लें। पहले उन्हें भाजपा से नाता तोड़ लेना चाहिए और उसके बाद ही (उनकी उम्मीदवारी पर) विचार किया जा सकता है। सभी (विपक्ष) दलों के नेता फिर एक साथ बैठेंगे और इसके बारे में सोचेंगे।''

अब पूरी क्षमता के साथ रैली और रोड शो आयोजित किए जा सकेंगे, चुनाव आयोग ने इजाज़त दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में जिला प्रशासन की इजाजत से पूरी क्षमता के साथ रैली और रोड शो आयोजित किए जा सकेंगे। देश में कोरोना के मामलों की संख्या कम होने के साथ ही निर्वाचन आयोग ने रियायत दी है।

आयोग ने राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को बैठक और रैलियां आयोजित करने की भी अनुमति दी है। पहले किसी स्थान की 50 फीसदी क्षमता के साथ आयोजनों की छूट दी गयी थी। एक बयान में कहा गया है, ''आयोग ने एसडीएमए नियमों के अधीन और जिला अधिकारियों की पूर्व अनुमति के साथ रोड शो की भी अनुमति दी है।''

गौरतलब है कि इससे पहले चुनाव आयोग ने प्रचार के दौरान राजनीतिक पार्टियों को पदयात्रा निकालने की छूट दे दी थी। चुनाव आयोग ने 12 फरवरी को कोरोना काल के बीच निर्वाचन संबंधी तैयारियों और नियम-कायदों की समीक्षा के दौरान ये फैसला लिया था। चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा था कि अब रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ही चुनाव प्रचार प्रतिबंधित रहेगा। यह पहले रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक था। राजनीतिक दलों और उम्मीदवार अब सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक प्रचार कर सकेंगे। हालांकि इस दौरान उन्होंने कोरोना से जुड़े प्रोटोकॉल और अन्य शर्तों का पूरी तरह पालन करना होगा।

शिवमोगा में बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के शिवमोगा में बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में गिरफ्तार सभी छह लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है।

इससे पहले, राज्य सरकार के एक मंत्री ने कहा है कि इस मामले की हिजाब विवाद सहित सभी एंगल से जांच की जा रही है।कर्नाटक सरकार ने सोमवार को कहा था कि अब तक की जांच में हिजाब विवाद और इस हत्या का कोई लिंक सामने नहीं आया है लेकिन राज्य के गृह मंत्री ए। ज्ञानेंद्र ने कहा, 'हिजाब विवाद से जुड़े संगठन भी जांच के दायरे में हैंउनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है। कल जो लोग पथराव की घटना में शामिल थे, उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।'

कांग्रेस, सपा और भाजपा ने दबे-कुचले वर्गों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया : मायावती

बहराइच (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने भाजपा, सपा और कांग्रेस को दलितों और पिछड़ों की विरोधी करार देकर दावा किया कि इन तीनों ही पार्टियों ने समाज के दबे-कुचले वर्गों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। मायावती ने कांग्रेस पर निशाना साधकर मायावती ने कहा कि कांग्रेस दलितों और आदिवासियों के हितों का सिर्फ नाटक करती रही है और अपनी गलत नीतियों के कारण कांग्रेस आज देश और कई राज्यों से सत्ता से बाहर हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बाबा साहेब (भीमराव आंबेडकर) को भारत रत्न नहीं दिया, जबकि उनके मिशन को आगे बढ़ाने वाले कांशीराम के निधन पर राष्ट्रीय शोक करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मंडल आयोग की सिफारिशों को भी लागू नहीं किया था।

इस मौके पर सपा पर कड़ा प्रहार करते हुए मायावती ने कहा, सपा सरकार में दंगाइयों और गुंडों का बोलबाला रहा। सपा एक विशेष क्षेत्र और विशेष समुदाय के लिए काम करती है।'' उन्होंने कहा कि सपा सरकार में दंगों के चलते तनाव की स्थिति बनी रहती है और उसने दलित बिरादरी के महापुरुषों के नाम पर बनी शैक्षिक संस्थाओं एवं जिलों के नाम बदल दिए थे।वहीं मायावती ने कहा केंद्र और उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इशारे पर चलने वाली पार्टी है और उसने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और मुस्लिमों के लिए चलाई गई योजनाओं को बंद कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में पात्र लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि 2007 में उसकी सरकार बनने पर रोजगार के लिए बाहर गए लोग वापस लौटे थे और बसपा ने लोगों को नौकरियां दी थी। उन्होंने कहा, अब नौकरियां न होने के कारण पलायन हो रहा है। हमारी सरकार आने पर हम सभी लोगों को दोबारा वापस बुलाकर रोजी-रोटी का प्रबंध करने वाले है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को जांच कराकर वापस लिया जायेगा।

जन हितैषी

पाक पर भरोसा नहीं

कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद व्यापारिक रिश्ते खत्म कर चुके पाकिस्तान को एक बार फिर से भारत की याद आई है। कंगाली के हालात से जूझ रहे पाकिस्तान ने कहा है कि, भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते समय की जरूरत है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। पाकिस्तान का यह बयान तब आया है, जब पाक पीएम इमरान खान पहली बार रूस दौरे पर जा रहे हैं। पाक पीएम इमरान खान का जल्द ही रूस दौरा होने वाला है। इस दौरान उनकी, रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ गैस पाइपलाइन बिछाने को लेकर चर्चा होगी। अब्दुल रजाक भी कह चुके हैं, रूस पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन बिछाना चाहता है। दरअसल, रूस व मध्य एशिया के देशों से पाकिस्तान होते हुए गैस पाइपलाइन भारत तक जाती है, तो पाकिस्तान को इसके बदले मोटा पैसा पैसा मिल सकता है, यही कारण है कि अब पाक-भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को ठीक करना चाहता है। दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार 2019 से बंद है। कश्मीर के पुलवामा में आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवानों के मारे जाने के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान का तरजीही राष्ट्र (मोस्ट फेवर्ड नेशन, एमएफएन) का दर्जा छीन लिया और वहां से आयात होने वाली चीजों पर सीमा शुल्क दो सौ फीसद तक बढ़ा दिया। इसका प्रभाव इतना गंभीर था कि जनवरी से लेकर मार्च के बीच पाकिस्तान से होने वाला आयात 91 फीसद गिर गया। कारोबारी गिरावट का घाटा सिर्फ दोनों देशों में ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महसूस किया जा रहा है। पाकिस्तान की व्यापार के मामले में भारत पर थोड़ी अधिक निर्भरता देखने को मिलती है। संयुक्त राष्ट्र के कॉमट्रेड के आंकड़ों के अनुसार, बीते 15 साल में भारत का दुनिया भर से आयात 5.2 लाख करोड़ डॉलर का था, लेकिन पाकिस्तान से सिर्फ 5.5 अरब डॉलर का ही आयात था। यह देश के कुल आयात का सिर्फ 0.1 फीसद था। इसी समय में भारत से पाकिस्तान होने वाला निर्यात उसके कुल निर्यात का सिर्फ 0.7 फीसद था। किसी भी साल में भारत के कुल आयात में पाकिस्तान का हिस्सा 0.16 फीसद से अधिक नहीं रहा। वहीं, भारत के कुल निर्यात में उसका हिस्सा कभी 1.1 फीसद से आगे नहीं बढ़ पाया। दूसरी ओर, भारत से आयात में पाकिस्तान के कुल आयात का हिस्सा 3.6 फीसद रहा है, जबकि निर्यात 1.5 फीसद रहा है। इस दौरान पाकिस्तान के कुल आयात में भारत का हिस्सा 4.4 फीसद तक पहुंच गया, जबकि उसकी देश के कुल निर्यात में हिस्सेदारी 2.1 फीसद थी। कूटनीतिक तौर पर गेंद भारत ने पाकिस्तान के पाले में डाल रखी है। भारत कह चुका है कि वह व्यापार जारी रखने को तैयार है, लेकिन इसके लिए पाकिस्तान को माहौल तैयार करना होगा। भारत और पाकिस्तान- दोनों देश बड़े व्यापारिक साझेदार नहीं हैं, लेकिन दोनों देशों के कुछ उद्योग और बाजार एक-दूसरे पर निर्भर करते हैं। यही कारण है कि व्यापार पर रोक की मार दोनों तरफ भारी पड़ रही है। पाकिस्तान की तरफ से व्यापार शुरू करने की पहल पहली बार नहीं है। इसी साल की शुरुआत में पाकिस्तान ने नई राष्ट्रीय सुरक्षा नीति जारी की थी जिसमें अगले 100 वर्षों तक भारत से कोई शत्रुता नहीं रखने की बात कही गई। हालांकि, जब जुल्फिकार अली भुट्टो वहां के प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने भारत से 1,000 साल तक लड़ने के बात कही थी। मगर लगभग 3 दशक से पाकिस्तान आतंकवादी रूपी कदम युद्ध जारी रखे हुए हैं जिसमें कितने ही बेगुनाहों की जान गई है। उसके द्वारा मुंबई में किया गया 26/11 का आतंकवादी हमला कौन भूल सकता है? भारत की संगठनों को पालने-पोसने और भारत में घुसपैठ कराने वाले पाकिस्तान की नीयत पर कोई कैसे भरोसा कर सकता है? भारत के खिलाफ पाकिस्तान और चीन ने हाथ मिला रखा है. जब भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी दोस्ती का पैगाम लेकर बस से लाहौर गए थे तो उसका जवाब पाकिस्तान ने कारगिल हमले से दिया था। इन सारी बातों को देखते हुए पाकिस्तान पर जरा भी विश्वास नहीं किया जा सकता। ऐसे में व्यापार शुरू करने की उसकी बातों पर कैसे आगे बढ़ा जाए। पाकिस्तान इस समय कंगाली में है, उसे पैसों की सख्त जरूरत है। इसीलिए इस समय वह नरमी दिखा रहा है। जब उसकी हालत सुधरेगी, तो फिर पुराने रंग में ही दिखेगा।

'आधी आबादी ' को भी कुछ अपने लिये तय कर लेने दो

दुनिया में कहीं भी जब महिलाओं की स्वतंत्रता या उनके अधिकारों की चर्चा छिड़ती है उस समय दुनिया के पुरुषों द्वारा ही सबसे ज़्यादा महिलाओं का महिमांडन करते हुये यह बताने की कोशिश की जाती है कि उनके देश व समाज में किस तरह महिलाओं को स्वतंत्रता हासिल है। कहीं महिलाओं के रुतबे को बढ़ाने के लिये उसे देवी तक का रूप बता दिया जाता है कोई सेना ,जल सेना व वायुसेना में महिलाओं की भर्ती पर इतराता है कोई साधु संत या धर्माधिकारी की गद्दी पर महिला को बिठाकर यह सन्देश देता है कि महिलायें भी पुरुषों के समान हैं। कहीं राजनीति में नाममात्र प्रतिनिधित्व देकर व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी होने का ढिंढोरा पीटा जाता है। गोया पुरुष प्रधान समाज ही इस बात का श्रेय लेने के लिये भी आतुर दिखाई देता है कि देखो- हमने महिलाओं को अमुक अमुक अधिकार प्रदान किये हैं। इतना ही नहीं जब कभी किसी धर्म या जाति विशेष की इस बात के लिये आलोचना होती है कि वहां महिलाओं को आज़ादी नहीं है या उनके अधिकारों का हनन होता है तो उस धर्म जाति विशेष के धर्मगुरु व चिंतक सामने आकर अपने धर्मग्रंथों के कुछ उदाहरण प्रस्तुत कर यह बताने की कोशिश करते हैं कि महिलाओं को इनके समाज ने जितनी आज़ादी दी उतनी किसी दूसरे धर्म या समाज में नहीं।

सवाल यह है कि 'आधी आबादी' के बारे में पुरुषों में बचपन से ही यह धारणा किस आधार पर विकसित की जाती है कि उसके बारे में कोई भी निर्णय लेने का अधिकार प्राय: उसके परिवार के पुरुष समाज को ही है स्वयं महिलाओं को नहीं ? एक लड़की बचपन में ही जब कहीं जाना चाहती है तो उसके साथ कोई पुरुष सदस्य भेजा जाता है। वह कहाँ जाये और कहाँ न जाये यह उसके परिवार का पुरुष तय करता है। बच्ची जब युवावस्था में क़दम रखती है तो इसी पुरुष समाज द्वारा अपनी धार्मिक परंपराओं व रीति रिवाजों का वास्ता देकर उस पर हिजाब व नक़ाब की पाबन्दी लगाई जाती है। जैसे ही वह इसपर अमल करती है वह दूसरे धर्म व समाज के पुरुषों की नज़रों में 'अतिवादी ' नज़र आने लगती है। ये वर्ग इन लड़कियों से हिजाब उतार फेंकने की ज़िद पर अड़ जाता है। यहाँ तक कि इस विषय को राजनैतिक तूल देकर इसे सांप्रदायिक रंग दिया जाने लगता है। किसी लड़की को स्कूल स्तर तक की शिक्षा लेनी है या कॉलेज जाना है यह भी लड़की नहीं उसके परिवार के पुरुष तय करते हैं।

पुरुषों की इन्हीं बंदिशों,निर्देशों यहाँ तक कि तरह तरह की मानसिक प्रतारणाओं का सामने करते हुये जब यही लड़की विवाह योग्य होती है तो प्राय: उसके जीवन साथी चुनने का निर्णय भी उसके परिवार के पुरुष मुखिया या अभिभावक ही लेते हैं। जबकि ज़िन्दिगी उस लड़की को गुज़ारनी है परन्तु किसके साथ गुज़ारनी है यह लड़की तय नहीं कर सकती। ज़ाहिर है अभिभावक व परिजन अपने संभावित दामाद में जो विशेषतायें तलाश रहे हों वही विशेषतायें लड़की भी तलाश करे यह ज़रूरी नहीं। परन्तु आम तौर पर लड़की पर उसके अभिभावक की पसंद ही थोपी जाती है। और यदि किसी लड़की ने अपने साहस व विवेक का प्रयोग करते हुये अपनी पसंद के किसी लड़के से शादी करने का साहस कर भी लिया तो हमारा यही पुरुष समाज उसे किस गति तक पहुंचा देता है यह किसी से छुपा नहीं है। आये दिन हमारे देश में 'ऑनर किलिंग ' के नाम से होने वाली हत्याओं की ख़बरें आती रहती हैं। और बड़े गर्व से ऐसी हत्याओं को 'ऑनर किलिंग ' का नाम भी दिया जा चुका है।

युवक-युवतियों के परस्पर प्रेम प्रसंग के क़िस्से संभवतः पृथ्वी के अस्तित्व में आने के बाद से ही प्रचलित होने लगे थे। संतों देवताओं ऋषि मुनियों से लेकर पैग़ंबरों व महापुरुषों तक से जुड़ी अनेक दास्तानों में ऐसे क़िस्से सुनने व पढ़ने को मिलते हैं। परन्तु आज यदि कोई युवती अपनी इच्छानुसार अपने किसी प्रेमी युवक से मिलने या उसके साथ घूमने फिरने की इच्छुक हो तो उसे उस अतिवादी व उपद्रवी पुरुष समाज की प्रताड़ना व उनके लठ का सामना करना पड़ता है जो एक दुसरे को जानते ही नहीं। उन उपद्रवियों का पूर्वाग्रह इसी बात को लेकर होता है कि ऐसे प्रेमी उनकी संस्कृति व सभ्यता के दुश्मन हैं। तो क्या किसी युवती को प्रताड़ना देना उसे अपमानित करना किसी सभ्य समाज की संस्कृति व सभ्यता का हिस्सा माना जा सकता है।

जब हम अपनी संस्कृति व सभ्यता की तुलना पश्चिमी देशों की संस्कृति-सभ्यता से करते हैं तो हमें उसमें पाश्चात्य सभ्यता के नाम पर केवल 'नंगापन' ही दिखाई देता है। क्योंकि शायद हमारी नज़रें शरीर के नंगे हिस्से के आगे कुछ देखना ही नहीं चाहतीं। हमें उसकी योग्यता,उसके गुण,उसकी शिक्षा उसकी वैज्ञानिक व आधुनिक सोच जैसे तमाम गुण नज़र नहीं आते। तो क़ुसूर उसके नंगे शरीर का है या पुरुषों की संकीर्ण नज़रों का ? मज़े की बात तो यह है कि यही पुरुष समाज जिसे पाश्चात्य सभ्यता में नंगापन दिखाई देता है वही पुरुष समाज अपने कथित 'सांस्कृतिक व सभ्यतावादी ' देश में महिलाओं के लिये कितना मान सम्मान रखता है यह पूरी दुनिया को पता है। बलात्कार और जघन्य व क्रूरतापूर्ण बलात्कार के ऐसे ऐसे क़िस्से हमारे देश में सुनने को मिलते हैं जिन्हें सुनकर रूह काँप उठती है। दो महीने की बच्ची से लेकर 85 वर्ष की अति वृद्ध महिला तक को हमारे 'सभ्यतावादी ' पुरुष नहीं बख़्शते। यहाँ बाप और भाई की गोद में बेटी बहन सुरक्षित है या नहीं इस बात की कोई गारंटी नहीं है। परन्तु संस्कार,भाषण और योजनाओं के ढिंढोरे व दिखावे में बेटी देवी भी है,पूज्य भी है,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे भी हैं।

लिहाज़ा महिलाओं पर शिकंजा कसने की प्रवृति छोड़कर पुरुष समाज को अपनी सोच,विचार,संकुचित मानसिकता, बदलने की ज़रुरत है। जब महिलाओं को इस बात में कोई आपत्ति या दख़ल नहीं कि कोई पुरुष साधू या नागा क्यों बनता है,कोई अपने लिंग की पूजा क्यों करवाता है,कोई जटा या दाढ़ी क्यों रखता या नहीं रखता है,कोई कितनी पत्नियां रखता है,कोई शाकाहारी या मासांहारी क्यों है,कोई क्या खाता पीता है कहाँ आता जाता है फिर आख़िर सारी बंदिशें व निगरानियाँ महिलाओं के लिये ही क्यों। वैसे भी यदि हम किसी पूर्वाग्रह के बिना निष्पक्ष तरीक़े से सोचें व अपनी खुली नज़रों से देखें तो हम यही पायेंगे कि जिन जिन देशों में महिलायें अपने बारे में कोई भी निर्णय लेने के लिये स्वतंत्र हैं वही देश व समाज तरक़्क़ी भी कर रहा है। और जहां जहां अतिवादी व रूढ़िवादी पुरुष समाज महिलाओं पर अपना वर्चस्व बनाये हुये है वही देश व समाज लगभग सभी क्षेत्रों में पिछड़ा तो है ही,साथ साथ उन्हीं जगहों पर महिलाओं के साथ ज़ुल्म,अत्याचार व बर्बरता की ख़बरें भी अधिक सुनाई देती हैं। लिहाज़ा यदि देश व समाज को आधुनिक समयानुसार आगे ले जाना है तो पुरुषों को स्वयं पर नियंत्रण रखना होगा अपनी विकृत सोच बदलनी होगी। साथ ही विश्व की 'आधी आबादी ' को भी कुछ अपने व अपने भविष्य के लिये तय करने का अवसर देना ही होगा। (लेखिका- निर्मल रानी / ईएमएस)

माहवारी छुट्टी देने को हमारी सरकार क्यों तैयार नही है ?

महिलाओ को पुरूष के बराबर वेतन मिले तथा काम के घण्टे निर्धारित करने हेतु महिलाओं ने संघर्ष किया, अनेक कुर्बानी के बाद महिलाओं ने सफलता हासिल किया और विश्व को महिला दिवस मनाने पर मजबूर किया। महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष को सलाम करने, सम्मान देने एवं उनके संघर्ष को याद करने का दिन है। आज महिलाओं के सामने नई चुनौतियाँ है जिसके लिये संघर्ष भी हमें करना पड़ेगा। गांव, शहर या मेट्रोपोलिटिन शहर सभी जगह महिलाऐं काम करते दिखाई देंगी। लड़ाकू विमान चलना, कलेक्टर, पुलिस अधिक्षक, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, खिलाड़ी हर जगह पर महिलाओं ने अपना परचम लहराया है।

देश और दुनिया में इस समय पीरियड्स लीव की मांग जोरों पर उठ रही है। 1992 में बिहार में लालू प्रसाद जी की सरकार थी कामकाजी महिलाओं ने 32 दिन की हड़ताल किया, उसके पश्चात् सरकारी क्षेत्रों में मेंस्टुअल छुट्टी की व्यवस्था की गई। निजी क्षेत्र में मुम्बई की डिजिटल मीडिया कम्पनी कल्चर मंशीन ने 2017 में एक दिन की पीरियड्स लीव शुरू की। देश में माहवारी छुट्टी लागू करने को लेकर बड़ी बहस छिड़ी हुई है। माँ, बहन, बेटी सभी के घरों में है और सभी लोग माहवारी के दिनों में होने वाले शरीरिक कष्ट और पीड़ा से अवगत है, कुछ महिलाओं को तो यह पीड़ा असहनीय होती है, उसके पश्चात् भी माहवारी छुट्टी जैसे विषयों पर महिला सशक्तीकरण की बातें करने वालों का एक बड़ा तबका भी भारत में ऐसी छुट्टी का विरोध कर रहा है। भारत में पहली बार अरूणाचल प्रदेश के कांग्रेसी सांसद निनॉन्ग एरिंग ने पीरियड्स लीव के लिए मेन्स्टुएशन बेनिफिट बिल, 2017 का प्रस्ताव रखा है। इस बिल में कहा गया है कि सरकारी और प्राईवेट सेक्टर में नौकरी करने वाली महिलाओं को दो दिन 'पेड पीरियड लीव' दी जाए। बिल अभी समिति के पास क्यों पड़ा है ? जब विधायकों और सांसदों को अपने वेतन और भत्ते बढ़ाने होते है तो आम सहमति से ऐसे बिल कब पास हो जाते हैं देश को पता भी नही चलता, किन्तु महिलाओं से संबंधित कोई भी बिल पारित करने को लोकसभा और विधान सभा क्यों तैयार नही होती ?

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार 32,748 में से 14 फीसदी महिलाओं ने पीरियड्स में अवकाश लिया। 80 फीसदी ने छुट्टी का सही कारण छिपाया। 68 फीसदी ने कहा कि वे इस दौरान कार्य में लचीला विकल्प चाहती हैं। 21 फीसदी महिलाओं ने इच्छा ना होते हुए भी इस पीरियड्स में बिना इच्छा के काम करने की बात कही। पूरी दुनियाँ में 2014 से हर साल 28 मई को मेन्स्टुअल हाइजीन-डे मनाया जाता है। चीन, रूस, ब्रिटेन, ताईवान, जाम्बिया और ईटली सहित कुछ देशों में महिलाओं को पेड मेन्स्टुअल लीव दी जाती है। इंडोनेशिया में कम्पनीयाँ इस दौरान महिलाओं से कम काम लेती है। जापान में 1947 से महिलाओं के लिए यह व्यवस्था लागू है 'फिर भारत में क्यों नही' ?

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा आदि राज्यों के संगठन पीरियड्स लीव की मांग कर रहे है। हमारे देश में महिलाओं के अधिकार को लेकर अदालत की शरण लेनी पड़ती है न्यायालय के आदेश होने के पश्चात् भी सरकारें न्यायालय के आदेश की भी कोई परवाह नही करती। नवम्बर 2020 में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक याचिका पर केन्द्र और दिल्ली सरकार को निर्णय का आदेश दिया था लेकिन मुझे दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि दिल्ली सरकार ने भी इस आदेश की अवहेलना की। महिला पत्रकार बरखा दत्त और दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल इस बिल की आवश्यकता नही समझती, माकपा नेता वृंदा करात इसे महिलाओं के अधिकार का अंग मानती हैं और वे चाहती है कि वे मेन्स्टुएशन बेनिफिट बिल 2017, पूर्ण बहुमत के साथ पारित किया जाए। किसान संघर्ष समिति देश के सभी प्रगतिशील लोगों से यह आग्रह करती है कि इस बिल को परित कराने में अपनी अहम भूमिका निभाऐं ताकि देश भर में माहवारी छुट्टी नियम लागू कराया जा सकें। 60 प्रतिशत से अधिक एशियाई देश महिलाओं को माहवारी छुट्टी दे सकते है तो 'भारत में क्यों नहीं' ? क्या इस नियम को लागू करवाने के लिए फिर से महिलाओं को 32 दिन की हड्ताल के बाद 1992 में महिलाओं को पीरियड्स लीव अधिकार मिला था, उसी तरह फिर से सड़क पर उतरकार हड़ताल कर कानून प्राप्त करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा? (लेखक- एड. आराधना भार्गव / ईएमएस)

हिजाब जरुरी है या किताब!

हिजाब अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ आड़, ओट या अवरोध है। ये दो जेंडर के बीच अवरोध के लिए उपयोग किया गया है ताकि एक जेंडर दूसरे के सामने ऐसे न आए की उसे किसी तरह का नुकसान पहुंचे। जैसे अगर ट्रेन में महिलाओं के लिए एक अलग कोच लगाया जाता है तो वो हिजाब है। उसका आशय किसी कपड़े से नहीं है जैसा की मुझे एक इस्लामिक विशेषज्ञ से पता चला। मॉर्डन अर्थ पर जाएं तो कुछ मुस्लिम महिलाएं सर ढकने के लिए जो कपड़ा पहनती हैं उसे हिज़ाब कहा जाता है। वैसे इतिहासकारों की माने तो फ़िलहाल जिस हिज़ाब पर बहस छिड़ी है उसका प्रचलन साउथ ईस्ट एशिया से आया है जो कि लगभग तीन- चार दशक पहले ही शुरू हुआ क्यूंकि वहां इसी दौरान सबसे अधिक मुस्लिम धर्म का प्रसार हुआ है। मलेशिया और इंडोनेशिया में महिलाओं ने इसका उपयोग अपनी सुविधा के लिए शुरू किया ताकि उन्हें बुर्क़ा या चादर न पहनना पड़े उसके बाद ये पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया क्यूंकि इसे धारण करना सुविधा पूर्ण था।

हिजाब वर्तमान में बहुत चर्चा में है क्योंकि पिछले दिनों कर्नाटक के उडुपी का एक वीडियो वायरल हुआ जिसके बाद पूरे भारत में एक नया विवाद शुरू हो गया। वैसे गौरतलब है की ये मामला अभी का नहीं है बल्कि दिसंबर से चल रहा है जब कर्नाटक के एक कॉलेज ने परिसर में (जैसे कि हर स्कूल कॉलेज में होता है) में तो छात्राओं को हिजाब पहनने की अनुमति दी मगर कक्षा में पढ़ाई करने की अनुमति नहीं दी। 21 दिसंबर से छात्राओं ने ये मांग उठाई कि उन्हें कक्षा में हिजाब पहनना है और कॉलेज प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने पर धरने पर बैठ गई। वहीं इस पर कॉलेज प्रशासन का कहना है कि जो लड़कियां विरोध कर रहीं हैं वो दरअसल सिमी से जुड़े छात्र संगठन कैंपस फ्रंट ऑफ़ इंडिया से जुड़ी हैं। जिस पर सरकार बैन लगाने की तैयारी में है। उसके बाद कुछ दिनों पहले मामले ने मजहबी रंग ले लिया।

ये तो हुई विवाद की बात जिसे हमने समझा मगर वर्तमान भारत में जहां हम लिंग भेद का विरोध करते हैं और समानता के अधिकार के लिए लड़ाई रहे हैं वहां क्या वाकई इस तरह के विवाद के कोई मायने हैं। भारत वो देश है जहां एक राष्ट्र एक कानून पर विचार किया जा रहा है। हम सब अपने राष्ट्र को विकसित करने का और तरक्की का सपना देखते हैं तो फिर गमछा या हिजाब पर विवाद क्यों। अगर संविधान में सबको बराबरी का अधिकार दिए जाने की बात कही गयी है तो हम फिर क्यूँ एक दूसरे से अलग दिखाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। जबकि लड़ाई होनी चाहिए आगे बढ़ने की न कि खुद को पीछे खींचने की। सालों से फेमनिस्ट लड़ाई लड़ते आएं हैं तब जाकर महिलाओं को बराबरी की सैलरी मिलने पर बात होने लगी है।

महिलाएं चाहे किसी भी धर्म की हो उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ना होगा और खुद को पितृ सत्तात्मक के दबाव से मुक्त करके खुद को स्थापित करना होगा। साथ ही ये भी देखना होगा की कहीं ध्रुवीकरण करने के लिए उन्हें वरगलाया तो नहीं जा रहा। बात चाहे घुंघट की हो या हिजाब की तरक्की के रास्ते में आएं और अलग करने के लिए उपयोग किए जाएं तो दोनों ही गलत है। रही विद्यालय और कॉलेज की बात तो वहां तब सभी बच्चों से सामान व्यवहार हो पाएगा जब सभी एक सामान दिखाई दें। यही कारण है कि यूनिफार्म बनाई गई है ताकि हमारी गंगा यमुनी तहज़ीब वाले देश में किसी के साथ भेदभाव न हो और अमीरी,गरीबी या भाषा व मजहब के आधार पर किसी को अलग न महसूस हो। आज यदि विवाद के कारण सरकार को स्कूल बंद करने पड़े हैं तो इसमें नुकसान छात्रों का ही है।अगर हम सब सिर्फ भारत की तरक्की का विचार लेकर आगे बढ़े तो इस तरह के विवाद जो हमें आपस में अलग करते हैं कभी पनप ही नहीं पाएंगे। (लेखक- अनूप पौराणिक / ईएमएस)

आज का इतिहास 23 फरवरी

1574 फ्रांस में पांचवाँ धर्मयुद्ध शुरू हुआ.

1660 पोलैंड समर्थक पार्टी के नेताओं को स्वीडन नरेश चार्ल्स नौंवे ने मौत के घाट उतार दिया.

1768 हैदराबाद के निजाम के साथ अंग्रेजों ने संधि की.

1820 ब्रिटिश कैबिनेट के एक मंत्री की हत्या के लिए रची गयी साजिश का भंडाफोड़ हुआ.

1836 मेक्सिको के हमलावरों के खिलाफ टेक्सास में अलामी की नाकेबंदी की गयी.

1854 ब्रिटेन दक्षिण अफ्रीका में आरेंज नदी के उत्तर के क्षेत्र को हटने के लिए राजी हुआ.

1933 जापान ने 1964 जंजीबार में अब्दुल अरामी करूमे के शासन को मान्यता दी.

1952 कर्मचारी भविष्य निधि कानून पारित हुआ.

1970 गुयाना ने ब्रिटेन से संबंध तोड़े लेकिन राष्ट्रकुल की सदस्यता बरकरार रखी.

1973 लाओस सरकार और कम्युनिस्टों में समझौते के बाद लड़ाई पुनः भड़क उठी.

1975 अमरीका ने पाकिस्तान को हथियार बेचने पर लगा प्रतिबंध उठा लिया.

1989 जापान ने सम्राट हिरोहितो का निधन.

1990 राजकुमार सिंहानुक 11 वर्ष तक निर्वासित जीवन बिताने के बाद कंबोडिया लौटे.

1991 सेना में थाईलैंड में सत्ता पर कब्जा कर लिया.

2004 श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र में हुए विस्फोट में 6 लोगों की मृत्यु.

2007 बोफोर्स मामले में आरोपी इटली निवासी ओट्टावियो क्वात्रोची को अर्जेंटीना में हिरासत में लिया गया.

प्रसंग बस .जिन डुनड़ा तिन पाईययाँ

एक संन्यासी घूमते-फिरते एक किसान के घर पर आया।

उन के घर में अनेक छोटे-बड़े डिब्बे रखे थे।

संन्यासी के मन में जिज्ञासा उत्पन्न हुई, एक डिब्बे की ओर इशारा करते हुए संन्यासी ने दुकानदार से पूछा, इसमें क्या है ?

किसान ने कहाः- इसमें नमक है।

संन्यासी ने फिर पूछा, इसके पास वाले में क्या है ?

किसान ने कहा, इसमें हल्दी है।

इसी प्रकार संन्यासी पूछ्ता गया और किसान बतलाता रहा, अंत मे पीछे रखे डिब्बे का नंबर आया।

सन्यासी ने पूछा उस अंतिम डिब्बे में क्या है ?

किसान बोला, उसमें राम-राम है।

संन्यासी ने हैरान होते हुये पूछा राम राम ??

भला यह राम-राम किस वस्तु का नाम है भाई ??

मैंने तो इस नाम की किसी समान या वस्तु के बारे में कभी नहीं सुना।

किसान संन्यासी के भोलेपन पर हंस कर बोला महात्मन! और डिब्बों में तो भिन्न-भिन्न वस्तुएं हैं, पर यह डिब्बा खाली है, हम खाली को खाली नही कहकर राम-राम कहते हैं।

संन्यासी की आंखें खुली की खुली रह गई।

जिस बात के लिये मैं दर-दर भटक रहा था, वो बात मुझे आज एक व्यपारी से समझ आ रही है।

वो संन्यासी उस छोटे से किरयाने के किसान के चरणों में गिर पड़ा

ओह, तो खाली में राम रहता है! सत्य है भाई भरे हुए में राम को स्थान कहाँ ?

काम, क्रोध, लोभ, मोह, लालच, अभिमान, ईर्ष्या, द्वेष और भली- बुरी, सुख-दुःख की बातों से जब दिल-दिमाग भरा रहेगा तो उसमें ईश्वर का वास कैसे होगा ?

राम यानी ईश्वर तो खाली यानि साफ-सुथरे मन में ही निवास करता है।

एक छोटी सी दुकान वाले ने संन्यासी को बहुत बड़ी बात समझा दी थी!

आज सन्यासी अपने आनंद में था क्योंकि जिसे वो खोज रहा था आज उसे पता चल गया..!

(लेखक-विनोद तकिया वाला / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

23 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2022 वर्ष का 54 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 16.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 14.41 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 08.25 बजे तदनन्तर व्याघात 05.47 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बव 16.57 बजे तदनन्तर बालव 04.02 बजे रात्र को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.31 बजे से
चंद्र	तुला में	मेष	09.01 बजे से
मंगल	धनु में	वृष	10.41 बजे से
बुध	मकर में	मिथुन	12.39 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.53 बजे से
शुक्र	धनु में	सिंह	17.09 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	19.21 बजे से
राहु	वृष में	तुला	21.32 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.46 ब.से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	02.02 बजे से
		मकर	04.07 बजे से
		कुंभ	05.54 बजे से

चन्द्रायु 21.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 09° 55' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871168 **जूलियन दिन** 2459633.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रज्जब **तारीख** 21 **विशेष** शबरी जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7206

1		■	2		3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19				■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■	28			■	29	

बाएँ से दाएँ

1.आकाश,व्योम-2
2.नाजुक,मुलायम-3
4.हार,पराजय-2
6.संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7.जोर,बल-2
9.सोना,धतूरा-3
12.नाप-जोख करना-3
14.सिक्कों की आवाज-3
16.रहस्यज्ञाता-4
17.तालाब,ताल,तलैया-4
18.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20.गिरवी वस्तु-3
22.सैनिक कार्रवाई-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.बर्तन-2
27.सुर,क्रम-2
28.वाचन करने वाला-3
29.पितामह-2

ऊपर से नीचे

1.लवण-3
2.भीगा हुआ-2
3.खुमार,नशा-2
5.सर्दी में हाथ सेंकना-3
6.भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8.इंकार,मनाही-2
10.मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11.आम जनता-2
13.लालन-पालन-5
14.इमाम दस्ता -3
15.वचन,प्रतिज्ञा-3
19.रुखसार,कपोल-2
20.पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21.नाखून-2
22.सखा,दोस्त-2
23.निजात,छुटकारा-3
25.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26.पवित्र-2

शब्द पहेली -7205 का हल

म	हा	का	ल	■	व	र	क	■
त	र	■	ह	■	कि	■	ला	क
वा	■	ह	जा	म	त	■	■	सू
ला	य	क	■	द	■	ना	सू	र
■	■	ला	वा	■	व	जु	■	■
ना	प	ना	■	आ	■	क	या	स
य	■	■	म	हा	न	ता	■	र
क	था	■	जा	■	र	■	सी	ता
■	ल	ल	क	■	म	हा	रा	ज

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

स्पेन के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए सुखजीत भारतीय टीम में शामिल

हरमनप्रीत होंगे उपकप्तान

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्पेन के खिलाफ इस सप्ताह के अंत में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिये 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा हो गयी है। इस टीम में उभरते हुए उदीयमान फारवर्ड सिंह को भी शामिल किया गया है। मनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम 26 और 27 फरवरी को स्पेन का मुकाबला करेगी। वहीं ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। सुखजीत को गत वर्ष पहली हॉकी इंडिया अंतरविभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के कारण कोर ग्रुप में शामिल किया गया था। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, 'हमने स्पेन के खिलाफ मैचों के लिये संतुलित टीम का चयन किया है और हम भुवनेश्वर में अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिये तैयार हैं।' भारत को प्रो लीग में अब तक मिली जुली सफलता मिली है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में खेले गये मैचों में मेजबान को हराया था पर वह फ्रांस से हार गया था।

भारतीय टीम इस प्रकार है : गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा।

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (उपकप्तान), मनदीप मोर, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, दीपसन टिर्की। मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह (कप्तान), विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, आकाशदीप सिंह। फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शिलानंद लकड़ा, सुखजीत सिंह, अभिषेक।

स्टैंडबाय : कृष्णा बहादुर पाठक, अमित रोहिदास, राजकुमार पाल, मोइरंगथेम रबिचंद्र सिंह, दिलप्रीत सिंह।

अगर भारतीय टीम विश्वकप जीतती है तो आयेगा बड़ा बदलाव : मिताली

क्वींसलैंड (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी भारतीय टीम की हार पर कहा कि अगर टीम आगामी विश्व कप मुकाबले में जीतती है तो एक बड़ा बदलाव आयेगा। उसके प्रति प्रशंसकों की मानसिकता बदल जाएगी और खिलाड़ियों के साथ ही उनके परिवारों में भी उत्साह की लहर रहेगी। भारतीय टीम साल 2017 में इंग्लैंड में खेले गए पिछले विश्व कप में एक करीबी मुकाबले में इंग्लैंड से हारी थी।

भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज ने कहा, 'मुझे अभी भी साल 2017 के फाइनल मुकाबला की याद है, प्रशंसकों की वह भावनाएं अभी भी दिमाग में हैं तब हम विश्व कप में जीत के भी काफी करीब पहुंच गए थे। लॉर्ड्स के दर्शकों से भरे स्टेडियम की वह हार अभी भी हमें निराश करती है। साथ ही कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैंने टीम इंडिया को अपनी कप्तानी में 3 में से 2 विश्व कप मुकाबलों के फाइनल में पहुंचाया।' भारतीय टीम 2017 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में हारी और 2020 के टी-20 विश्व कप में उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मिताली राज ने इन दोनों फाइनल में हार को याद करते हुए कहा, 'हमें उन मुकाबलों मे हार से काफी कुछ सीखने को मिला और हम इस विश्व कप में बेहतर अनुभव के साथ उतरेंगे। हमने दिखाया भी है कि हम चैम्पियनशिप जीतने के योग्य हैं। इस जीत का प्रभाव काफी बड़ा होगा क्योंकि यह हमारे खिलाड़ियों, परिवार के अलावा प्रशंसकों के लिए भी एक बदलाव लेकर आएगा।'

वहीं महिला आईपीएल को लोकर मिताली ने कहा कि सभी लोग इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब इस लीग की शुरुआत होगी।

प्रागननंदा का जीत का सिलसिला जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के आर प्रागननंदा का ऑनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट एयरथिंग्स मास्टर्स में जीत का सिलसिला जारी है। प्रागननंदा ने 8वें दौर में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के बाद 10वें और 12वें दौर में ग्रैंडमास्टर आंद्रे एस्पेंको और अलेक्सांद्रा कोस्तानियुक को पराजित किया नोदरबिेक अब्दुसतोरोव से उनकी बाजी ड्रॉ रही। प्रागननंदा के 2 जीत और एक ड्रॉ के साथ ही 15 अंक हैं और वह 12वें स्थान पर हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम चौथा एकदिवसीय भी हारी

क्वींसलैंड (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को मेजबान न्यूजीलैंड के हाथों वर्षा बाधित चौथे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी 63 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके पहले हुए तीन एकदिवसीय मैचों में भी भारतीय टीम हारी थी। इस प्रकार भारतीय टीम पांच एकदिवसीय मैचों की इस सीरीज में 4-0 से पीछे हो गयी है। यह मैच बारिश के कारण देर से शुरू हुआ। इसी कारण यह एकदिवसीय मैच 20-20 ओवरों का किया गया। भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज ने टॉस जीतकर मेजबान न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम का फैसला गलत साबित हुआ और मेजबान कीवी टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 191 रन का स्कोर बना लिया।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय बल्लेबाजी ढ़ह गयी और पूरी टीम 17.5 ओवर में 128 रन बनाकर आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने अपने 4 विकेट केवल 19 रन पर खो दिए। इसके बाद कप्तान मिताली राज और ऋचा घोष ने 77 रन की साझेदारी की पर तब तक देर हो गयी थी। विकेटकीपर ऋचा घोष ने 52 और कप्तान मिताली राज ने 30 रन बनायी। इसके अलावा केवल . स्मृति मंधाना ही 13 रन बनाकर दो अंकों में पहुंच पायी। वहीं बाकि बल्लेबान टिक नहीं पायीं। भारतीय टीम भारतीय टीम की यह न्यूजीलैंड दौरे पर लगातार पांचवीं हार है। एकदिवसीय सीरीज से पहले हुए एकमात्र टी20 मैच में भी उसे हार का सामना करना पड़ा।

साहा ने कहा , बीसीसीआई को नहीं बताएंगे धमकी देने वाले पत्रकार का नाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा उन्हें साक्षात्कार के लिए धमकी देने वाले पत्रकार का नाम भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नहीं बताएंगे। साहा के अनुसार वह ऐसा कुछ नहीं करना चाहते हैं जिससे किसी के करियर को नुकसान पहुंचे। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह किसी को नीचा नहीं दिखाना चाहते हैं। साहा ने कहा कि अभी तक बीसीसीआई ने उनसे संपर्क नहीं किया है। साथ ही कहा कि अगर बोर्ड मुझसे पत्रकार के नाम का खुलासा करने के लिए कहेगा तो मैं उनसे कहूंगा कि किसी के करियर को नुकसान पहुंचाने, किसी व्यक्ति को नीचा दिखाने का मेरा इरादा नहीं था।

इसी कारण से ट्वीट में मैंने नाम का खुलासा नहीं किया है। मेरे ट्वीट का उद्देश्य केवल इतना था कि मीडिया में कोई है, जो इस तरह की चीजें करता है। यह सही नहीं था, जो मैं अपने ट्वीट के जरिए बताना चाहता था। जिसने किया है, वह इसे अच्छी तरह से जानता है। मैंने उन ट्वीट को इसलिए पोस्ट किया, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि खिलाड़ियों को ऐसी चीजों का सामना करना पड़े। गौरतलब है कि श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 18 सदस्यीय टीम में साहा को नहीं चुने जाने के बाद एक पत्रकार ने उन्हें साक्षात्कार देने के लिए कहा था पर जब साहा तैयार नहीं हुए तो इस पत्रकार ने उन्हें अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। इस मामले में साहा को दिग्गज खिलाड़ियों का समर्थन मिला था। वहीं पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इस मामले में बीसीसीआई प्रमुख से भी हस्तक्षेप को कहा था।

जोकोविच ने लारेंजो को हराकर साल 2022 में अपना पहला मैच जीता

दुबई (ईएमएस)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने यहां दुबई टेनिस चैंपियनशिप में इटली के लारेंजो मुसेटी को 6-3, 6-3 से हराकर इस साल का अपना पहला मैच जीता है। इससे पहले हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जोकोविच भाग नहीं ले पाये थे क्योंकि कोविड-19 टीकाकरण नहीं होने से उन्हें ऑस्ट्रेलिया सरकार ने देश से बाहर कर दिया था। हाल में संयुक्त अरब अमीरात ने उन्हें टीकाकरण के बिना ही देश में प्रवेश की अनुमति दी और जोकोविच ने इस टूर्नामेंट से साल 2022 का अपना पहला मुकाबला जीता। पिछले साल फ्रेंच ओपन में मुसेटी ने जोकोविच से दो सेट जीते थे पर इटली का यह खिलाड़ी यहां ब्रेक अंक हासिल करने के कई अवसरों का लाभ नहीं उठा पाया। जोकोविच ने जीत के बाद कहा, 'मैं अपने खेल से संतुष्ट हूं विशेषकर तब जबकि मैं पिछले ढाई-तीन महीने से नहीं खेल पाया हूं।' अब उनका अगला मुकाबला कारेन खाचनोव और अलेक्स डि मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले ब्रिटेन के एंडी मर्रे ने तीन घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले के बाद ऑस्ट्रेलिया के क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओ कोनेल को 6-7 (4), 6-3, 7-5 से हराया।

बीसीसीआई शीर्ष परिषद की बैठक अगले माह

सीके नायुडु ट्राफी, महिला टी20 विश्व कप पर होगा फैसला

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद की बैठक अगले माह दो मार्च को होगी। इस वर्चुअल बैठक में सीके नायुडु ट्राफी के साथ ही महिला टी20 टूर्नामेंट पर फैसला किया जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण ही सीके नायुडु ट्राफी और महिला टी20 मुकाबले अब तक स्थगित थे पर अब हालात बेहतर होने के कारण इसके आयोजन पर फैसला होगा। इसके साथ ही इस बैठक में साल 2023 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) को गठित किये जाने की भी संभावनाएं है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

रूस-यूक्रेन तनाव बढ़ने से बिकवाली हावी हुई

मुंबई (ईएमएस)। रुस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव का प्रभाव मुम्बई शेयर बाजार पर भी पड़ा है। मंगलवार को सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही रुस-यूक्रेन तनाक के कारण बिकवाली हावी होने के कारण आई है। शुरुआती कारोबार के दौरान ही बाजार करीब 1,300 अंक नीचे आया हालांकि बाद में इसमें कमी आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 382.91 अंक करीब 0.66 फीसदी नीचे आकर 57,300.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 114.45 अंक तकरीबन 0.67 फीसदी फिसलकर 17,092.20 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टीसीएस और एसबीआई के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.64 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 गिरे हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी है और उन्होंने गत दिवस ही 2,261.90 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई और सेंसेक्स व निफ्टी गिरावट के साथ खुले।

सुबह कारोबार शुरु होते ही सेंसेक्स में शामिल सभी तीस शेयर नकारात्मक स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इन सभी कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स में शामिल सभी शेयरों में गिरावट आई है। दिग्गज कंपनियों डॉ रेड्डे, एशियन पेंटस , टीसीएस, एलडंडटी, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में दो से तीन फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी में केवल ओएनजीसी के शेयरों में उछाल आया है।

यूक्रेन संकट की वजह से अमेरिकी, यूरोपीय और एशियाई बाजारों में भारी गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच गहराता संकट दुनियाभर के शेयर बाजारों के लिए मुसीबत बनकर सामने आया है। अमेरिका, यूरोप के साथ-साथ एशियाई बाजारों में भी लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार बन सकता है। शेयर बाजार सोमवार को भी बड़ी गिरावट से शुरुआत के बाद सेंसेकस 149 अंकों के नुकसान पर 57,684 पर बंद हुआ. निफ्टी भी 70 अंक टूटकर 17,207 पर पहुंच गया। निवेशकों की लगातार मुनाफावसूली और निगेटिव सेंटिमेंट का असर ट्रेडिंग पर भी दिख रहा है। मंगलवार को भी यह क्रम जारी रहा।

अमेरिकी शेयर बाजार नास्डैक सोमवार को 1.23 फीसदी नीचे आ गया, जबकि यूरोप के फ्रांस के स्टॉक एक्सचेंज पर 2.04 फीसदी और जर्मनी के स्टॉक एक्सचेंज में 2.07 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई। ब्रिटेन के शेयर बाजार में भी 0.39 फीसदी की गिरावट आई। इसका असर एशिया के बाजारों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

एशिया के अधिकतर बाजार मंगलवार सुबह गिरावट पर खुले हैं। सिंगापुर के एक्सचेंज पर 1.31 फीसदी और जापान में 1.71 फीसदी की गिरावट दिखी। इसके अलावा ताइवान में 0.83 फीसदी और दक्षिण कोरिया में 1.34 फीसदी का नुकसान दिख रहा था। एशियाई बाजारों से भारत के निवेशकों पर भी असर पड़ सकता है, जो बड़ी बिकवाली की ओर बढ़ सकते हैं।

अमेरिका और एशिया के वायदा बाजारों पर भी संकट दिख रहा। अमेरिका का प्रमुख शेयर बाजार एसएंडपी 500 के वायदा ऑप्शन ने 1.8 फीसदी गिरावट दिखाई है। जापान के निक्की में 2.2 फीसदी और अमेरिका के नास्डैक पर 2.5 फीसदी की गिरावट दिखी। इसके अलावा जर्मनी के एक्सचेंज डीएएक्स पर भी 3.7 फीसदी की बड़ी गिरावट का अनुमान है।

चीन ने ऑस्ट्रेलियाई निगरानी विमान पर चीनी युद्धपोत से लेजर दागे जाने से इनकार किया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन ने ऑस्ट्रेलिया के इस आरोप को खारिज कर दिया है कि एक चीनी युद्धपोत ने एक ऑस्ट्रेलियाई निगरानी विमान पर लेजर दागी थी। चीन ने कहा ऑस्ट्रेलिया का यह आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने सोमवार को कहा कि उन्होंने चीन सरकार से कथित रूप से 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी नेवी' (प्लान) के युद्धपोत द्वारा पिछले सप्ताह किए गए लापरवाही भरे कदम का जवाब मांगा है।

मॉरिसन ने कहा कि यह बेहद खतरनाक और गैर-पेशेवर था और ऐसा करना एक पेशेवर नौसेना को लिए लापरवाही भरा कदम था और हम जवाब चाहते हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। मॉरिसन ने इस मामले की पूर्ण जांच कराए जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि चीनी प्राधिकारियों ने अभी तक उनके सवालों का जवाब नहीं दिया है।

इस मामले में सवाल किए जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा हमने प्रासंगिक विभागों से पुष्टि करने के बाद पाया कि ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा जारी की गई सूचना तथ्यों पर आधारित नहीं है। उन्होंने कहा चीनी पोत समुद्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप काम करते हैं। वांग ने कहा कि हम ऑस्ट्रेलिया के पक्ष से अपील करते हैं कि वह संबंधित जलक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार चीनी पोत के वैध अधिकारों का सम्मान करे और चीन के बारे में दुर्भावनापूर्ण रूप से गलत सूचना फैलाना बंद करे।

चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल तान केफेई ने कहा ऑस्ट्रेलियाई बयान तथ्यों से बिल्कुल मेल नहीं खाता है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने चीनी युद्धपोत द्वारा ली गई दो तस्वीरें भी बयान के साथ जारी की हैं। उसने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया विमान चीनी युद्धपोत के बहुत निकट थे और उन्होंने उसके चारों ओर 'सोनर बोया' तैनात किए। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग ने आरोप लगाया है कि चीनी नौसेना के एक जहाज ने उसके एक निगरानी विमान पर लेजर दागी, जिससे चालक दल की जान खतरे में पड़ गई।

यह घटना गुरुवार को उस समय हुई, जब पी-8ए पोसीडॉन विमान ने ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी रास्ते पर उड़ान के दौरान एक लेजर का पता लगाया। विभाग ने शनिवार को एक बयान में कहा कि लेजर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के जहाज से दागी गई। यह एक अन्य चीनी जहाज के साथ था जो टोरेस जलडमरूमध्य से होकर गुजरा। विभाग ने कहा हम गैर-पेशेवर और असुरक्षित सैन्य व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं। इन कार्रवाइयों से उसके कर्मियों की सुरक्षा और जीवन को खतरा हो सकता था।

एक साल में 62 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल, दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर डाला असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। सन 2022 की शुरुआत से ही महंगाई और शेयर बाजार की चाल बिगड़ी हुई है। लगातार ऊपर चढ़ते कच्चे तेल पर भारत ही नहीं दुनियाभर की अर्थव्यवस्था पर असर डाला है। एक साल में कच्चा तेल 62 फीसदी महंगा हो चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार इस साल कच्चे तेल की कीमत 20 फीसदी इजाफे के साथ 7-8 साल की ऊंचाई पर पहुंच गया है।

रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव और तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक की बेरुखी से कच्चा तेल आगे भी महंगे होने के आसार हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल महंगे कच्चे तेल से राहत मिलती नहीं दिख रही और आने वाले कुछ समय में यह 100 डॉलर के पार जा सकता है। महंगे क्रूड ऑयल का भारत सहित दुनियाभर की अर्थव्यवस्था पर असर दिखता है। अगर क्रूड में 10 डॉलर का इजाफा होगा तो विकास दर 0.35 फीसदी सुस्त हो जाएगी। इतना ही नहीं इससे आयात बिल पर असर पड़ता है।

डॉलर में इसका भुगतान करने पर रुपया कमजोर होता जाता है। दूसरी ओर, महंगे ईंधन से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है। खुदरा बाजार में महंगाई भी बढ़ जाती है। इस साल शेयर बाजार में आ रहे उतार-चढ़ाव में महंगे क्रूड ऑयल की भी बड़ी भूमिका है। क्रूड में तेजी आने या कमी होने पर 40 से 50 स्टॉक्स पर सीधा असर दिखता है।

इससे बैटरी बनाने वाली कंपनियों, तेल कंपनियों, विमानन क्षेत्र की कंपनियों, टायर, सीमेंट, लॉजिस्टिक्स, स्टील और उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के शेयरों पर दबाव बढ़ जाता है। रूस सहित तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक ने रविवार को बैठक के बाद अतिरिक्त क्रूड के उत्पादन से इनकार कर दिया। हालांकि, ओपेक ने 2 फरवरी को हुई बैठक में 4 लाख बैरल प्रतिदिन तेल उत्पादन बढ़ाने की बात कही थी। अरब देशों के मंत्रियों ने यह कहते हुए अपने इस निर्णय से पल्ला झाड़ लिया कि अब महामारी का जोखिम कम हो रहा और अर्थव्यवव्थाएं खुलने लगीं हैं।

गैस की भारी किल्लत, अप्रैल से बढ़ सकते हैं घरेलू गैस के दाम

-महंगा हो जाएगा खाना पकाना, गाड़ी चलाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगातार बढ़ती ऊर्जा की मांग के चलते विश्व में गैस की भारी किल्लत हो गई है इससे भारत भी अछूता नहीं लिहाजा अप्रैल में इसका असर यहां भी देखने को मिल सकता है। इससे देश में गैस की कीमत दोगुना हो सकती है। इससे सीएनजी, पीएनजी और बिजली की कीमतें बढ़ जाएगी। साथ ही सरकार का फर्टिलाइजर सब्सिडी बिल भी बढ़ जाएगा। ग्लोबल इकॉनमी कोरोना का कहर से बाहर निकल रही है और इसके साथ ही एनर्जी की मांग भी बढ़ रही है। लेकिन 2021 में इसकी सप्लाई को बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। इन कारणों से गैस की कीमत में काफी तेजी आई है। घरेलू इंडस्ट्रीज पहली ही आयातित एलएनजी के लिए ज्यादा कीमत चुका रही है। इसकी वजह लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट्स हैं जहां कीमत कच्चे तेल से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने स्पॉट मार्केट से खरीदारी कम कर दी है जहां कई महीनों के कीमत में आग लगी हुई है।

लेकिन इसका असर अप्रैल में देखने को मिलेगा जब सरकार नेचुरल गैस की घरेलू कीमतों में बदलाव करेगी। इंडस्ट्री के जानकारों और एनालिस्ट्स का कहना है कि इसे 2.9 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू से बढ़ाकर 6 से 7 डॉलर किया जा सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज मुताबिक गहरे समुद्र से निकलने वाली गैस की कीमत 6.13 डॉलर से बढ़कर करीब 10 डॉलर हो जाएगी। कंपनी अगले महीने कुछ गैस की नीलामी करेगी। उसने इसके लिए फ्लोर प्राइस को क्रूड ऑयल से जोड़ा है जो अभी 14 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू है। देश में घरेलू नेचुरल गैस की कीमतें हर साल अप्रैल और अक्टूबर में तय होती हैं। अप्रैल की कीमत जनवरी से दिसंबर 2021 की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर आधारित होगी। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एके जेना के मुताबिक घरेलू नेचुरल गैस की कीमत में एक डॉलर की तेजी होने पर सीएनजी की कीमत 4.5 रुपये प्रति किलो बढ़ जाएगी। इसकी मतलब है कि सीएनजी की कीमत में 15 रुपये प्रति किलो बढ़ सकती है। जेना ने कहा कि सीएनजी की गाड़ियों के लिए अभी कॉस्ट आर्बिट्रेज पेट्रोल के मुकाबले 55 फीसदी है। अगर पेट्रोल की कीमत में बढ़ोतरी जारी रही तो यह संतुलन बना रहेगा। लेकिन अगर तेल की कीमत नहीं बढ़ती है या इसमें गिरावट आती है तो फिर स्थिति अलग होगी। अगर कॉस्ट आर्बिट्रेज 40 फीसदी या इससे अधिक होता है तो सीएनजी में कनवर्जन का कोई फायदा नहीं होगा।

2022-23 में भारत में ईंधन खपत बढ़कर 21.45 करोड़ टन हो जाने का अनुमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना की लगातार निष्क्रिय होने से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने के साथ देश में ईंधन की मांग एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष 2022-23 में 5.5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार 2022-23 में ईंधन खपत बढ़कर 21.45 करोड़ टन हो जाने का अनुमान है। मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले मौजूदा वित्त वर्ष में इसके 20.32 करोड़ टन रहने की संभावना है। वित्त वर्ष 2019-20 में देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे ईंधन की खपत 21.41 करोड़ टन थी।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग 4.9 प्रतिशत बढ़ी। अप्रैल-दिसंबर 2021 में ईंधन खपत 14.83 करोड़ टन रही। देश में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत 2020-21 में 19.43 करोड़ टन थी। इस दौरान कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिये 'लॉकडाउन' लगाया गया, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई। पीपीएसी के अनुसार, अगले वित्त वर्ष 2022-23 में पेट्रोल की खपत 7।8 प्रतिशत बढ़कर 3.33 करोड़ टन रहने का अनुमान है। वहीं डीजल की बिक्री 3.9 प्रतिशत बढ़कर 7.93 करोड़ टन रहने की संभावना है। विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत 2022-23 में 49 प्रतिशत बढ़कर 76 लाख टन रहने का अनुमान है। हालांकि, यह महामारी-पूर्व स्तर 80 लाख टन से कम है। रसोई गैस (एलपीजी) की मांग अगले वित्त वर्ष में 4.5 प्रतिशत बढ़कर 2.96 करोड़ टन रहने की संभावना है। पीपीएसी के मुताबिक, केरोसिन या मिट्टी के तेल की बिक्री 15 लाख टन पर स्थिर रहने जबकि नाफ्था की खपत 3।3 प्रतिशत बढ़कर 1.5 करोड़ टन हो जाने का अनुमान है। पेटकोक की मांग 2.8 प्रतिशत बढ़कर 1.48 करोड़ टन पहुंच जाने की संभावना है। वहीं तारकोल की बिक्री 1.8 प्रतिशत बढ़कर 79 लाख टन रहने का अनुमान है।

पुतिन को लेकर टीवी डिबेट में भिड़े सांसद और पत्रकार, दोनों के बीच खूब मारपीट

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी विवाद का असर टीवी चैनलों पर भी देखने को मिल रहा है। कुछ दिनों पहले यूक्रेन में न्यूज चैनल पर टीवी कार्यक्रम के दौरान पत्रकार और रूस समर्थक राजनेता के बीच झगड़ा हो गया। पुतिन पर आयोजित डिबेट के दौरान पत्रकार ने राजनेता के चेहरे पर मुक्का मार दिया जिसके बाद दोनों में मारपीट शुरू हो गई। यह झगड़ा रूस समर्थक पार्टी के सांसद नेस्टर शुफ्रीच और पत्रकार यूरी बुटुसोव के बीच हुआ। संभावित हमले के लिए रूसी सैनिकों को सीमा पर इकट्ठा करने के लिए पुतिन की निंदा करने से इनकार करने के बाद डिबेट में शामिल राजनेता के साथी गेस्ट ने उन पर हमला कर दिया। बुटुसोव चलकर शुफ्रीच के पास आए और उनके चेहरे पर मुक्के मारकर उनका चेहरा लहूलुहान कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सेन्युक और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको इस घटना को देख रहे थे।

कुछ देर बाद शुफ्रीच लड़ने के लिए खड़े हुए,लेकिन बुटुसोव ने उनका सिर अपनी बाजुओं के बीच दबा लिया। इसके बाद दोनों स्टूडियो की जमीन पर ही गिर गए। यह नजारा देखकर अन्य मेहमान दोनों को अलग करने के दौड़े। आखिर में मेहमानों ने दोनों को अलग कर दिया और साविक शस्टर के फ्रीडम ऑफ स्पीच टॉक शो पर चर्चा दोबारा शुरू हो गई। शुफ्रीच से पूछा गया था कि क्या पुतिन एक हत्यारे और अपराधी हैं? इस पर उन्होंने जवाब देने से इनकार करते हुए कहा कि यूक्रेन के अधिकारियों को इससे निपटने दें। यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति ने उन्हे फटकार लगाकर कहा था कि यहां स्टूडियो में एक रूसी एजेंट है। पुतिन ने यूक्रेन के विद्रोही इलाकों डोनेट्स्क और लुहान्स्क की आजादी को मान्यता दे दी जिसने रातों-रात पूरी दुनिया की चिंता को बढ़ा दिया है। इसके तुरंत बाद पुतिन ने दोनों क्षेत्रों में सेना तैनात करने का आदेश दे दिया। संयुक्त राष्ट्र ने इन आदेशों की निंदा की है। वहीं अमेरिका मॉस्को पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

जंग की ओर बढ़ा यूक्रेन, पुतिन ने विद्रोही इलाकों में भेजी सेना, भड़के अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी

मास्को (ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में विद्रोहियों के कब्जे वाले शहरों डोनेट्स्क और लुहान्स्की को अलग देश की मान्यता देने के बाद सेना भेजने का आदेश कर दिया है। पुतिन ने रक्षा मंत्रालय को पूर्वी यूक्रेन के दोनों अलगाववादी क्षेत्रों डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक में रूसी सैनिकों को भेजने का आदेश दिया है।

रूस के इस कदम को युद्ध की पहल माना जा रहा है। हालांकि रूस इसे शांति स्थापित करने के लिए की गई कार्रवाई बताया है। तरफ रूस के कदम से अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी काफी नाराज हैं। वहीं यूक्रेन ने राष्ट्रपति ने कहा वह रूस की कार्रवाई से नहीं डरते। रूस के सेना भेजने के आदेश के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा, रूस के विद्रोहियों को मान्यता देने से हम डरते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमें पश्चिमी देशों से समर्थन की पूरी उम्मीद है। वहीं अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी भी लगातार इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

यूक्रेन और अमेरिका में लगातार शीर्ष स्तर पर बैठकों को दौर भी जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से भी बात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक बाइडेन ने राष्ट्रपति जेलेंस्की को साथ होने का भरोसा दिया। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसले की कड़ी निंदा भी की। राष्ट्रपति बिडेन ने कहा कि यूएसए, यूक्रेन के खिलाफ रूस के आक्रमण को रोकने के लिए जरूरी कदम भी उठाएगा। वहीं व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ भी एक सुरक्षित लाइन पर बात की। दोनों देश के शीर्ष नेताओं ने भी पुतिन के फैसले की कड़ी निंदा की। यहां तय हुआ कि इस मामले पर तीनों ही देश करीब से नजर रखेंगे।

अमेरिक के विदेश मंत्री एंटनी जे ब्लिंकेन ने एक बयान में कहा हम तथाकथित डोनेट्स्क और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक को अलग देश के रूप में मान्यता देने के राष्ट्रपति पुतिन के फैसले की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा अन्य देशों का दायित्व है कि वे खतरे या बल प्रयोग के माध्यम से बनाए गए एक नए देश को मान्यता न दें। कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन का का निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून और मानदंडों के खिलाफ है। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी जेन पेस्की ने बताया कि राष्ट्रपति बिडेन जल्द ही एक कार्यकारी आदेश जारी करेंगे जो अमेरिकी व्यक्तियों द्वारा यूक्रेन के डीएनआर और एलएनआर क्षेत्रों में नए निवेश, व्यापार और वित्तपोषण को प्रतिबंधित करेगा। कार्यकारी आदेश यूक्रेन के उन क्षेत्रों में काम करने के लिए निर्धारित किसी भी व्यक्ति पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार भी प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि राज्य और ट्रेजरी विभागों के पास जल्द ही इस आदेश से जुड़े अतिरिक्त विवरण होंगे।

आरबीआई ने बिना मंजूरी के प्रीपेड वॉलेट चलाने वाली इकाइयों को किया सतर्क

मुंबई (ईएमएस)। वित्तीय क्षेत्र की प्रतिष्ठित इकाई भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि गुरुग्राम में पंजीकृत एसराइड टेक प्राइवेट लिमिटेड अपनी कार पूलिंग ऐप एसराइड के जरिए प्रीपेड भुगतान माध्यम (वॉलेट) के रूप में काम कर रही है, जबकि उसके पास इसके लिए आवश्यक मंजूरी नहीं है। केंद्रीय बैंक ने आम जनता को अनधिकृत इकाइयों के प्रीपेड वॉलेट से सतर्क किया है। केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को कहा कि यदि कोई व्यक्ति एसराइड टेक प्राइवेट लि. के साथ किसी तरह का लेनदेन करता है, तो यह उसका अपना जोखिम होगा। रिजर्व बैंक ने कहा कि एसराइड टेक प्राइवेट लिमिटेड अपनी कार पूलिंग ऐप 'एसराइड' के जरिये प्रीपेड वॉलेट का परिचालन कर रही है। उसके पास इसके लिए भुगतान एवं समाधान प्रणाली कानून, 2007 के तहत रिजर्व बैंक से आवश्यक मंजूरी नहीं है।

लगातार छठे दिन गिरी बिटकॉइन की कीमत, गोल्ड ने लिया बदला

मुंबई (ईएमएस)। दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे लोकप्रिय और सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में मंगलवार को लगातार छठे दिन गिरावट आई। जानकारों का कहना है कि बिटकॉइन की कीमत 30,000 डॉलर से नीचे जा सकती है। नवंबर में इसकी कीमत 68,000 डॉलर के पार पहुंच गई थी। क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत में मंगलवार को छह फीसदी से अधिक गिरावट आई है और यह 36,813 डॉलर यानी 29,11,025 रुपये पर ट्रेड कर रही है। बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताहांत 40,000 डॉलर से नीचे आ गई थी और यूक्रेन संकट गहराने से इसमें और गिरावट आई है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो ईथर में 7.64 फीसदी की गिरावट आई है और 2529 डॉलर पर ट्रेड कर रही है।

इससे यह तर्क भी गलत साबित हो रहा है कि भूराजनीतिक तनाव में क्रिप्टोकरेंसीज सुरक्षित दांव है। दूसरी ओर सोने जून के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। रिसर्च नोट में कहा कि बिटकॉइन कमजोर हुई है और सोना से कमतर प्रदर्शन कर रही है। अनुमान है कि बिटकॉइन की कीमत 30,000 डॉलर के नीचे आ सकती है क्योंकि निवेशक अब सोने का रुख करने लगे हैं। इससे सोने की कीमत ऑल टाइम हाई की तरफ बढ़ रही है। बिटकॉइन 40,000 डॉलर के स्तर पर टिकने में नाकाम रही और अब यह 30,000 डॉलर तक आ सकती है। परंपरागत और क्रिप्टो मार्केट्स के लिए अब महंगाई के बजाय भूराजनीति प्राइमरी फैक्टर हो गई है। उनका कहना है कि अगर बिटकॉइन 30,000 डॉलर से नीचे आई तो फिर इसमें खरीदारों की दिलचस्पी बढ़ेगी। दूसरी ओर सोने की कीमत 50,500 रुपये से ऊपर पहुंच गई है। एमसीएक्स पर अप्रैल डिलिवरी वाला सोना दोपहर बाद दो बजे 442 रुपये की तेजी के साथ 50520 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परमबीर सिंह के विरुद्ध जांच रोकेगी महाराष्ट्र सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की सर्वोच्च अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को राज्य के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के विरुद्ध कदाचार एवं भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच 'रोकने' का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एसके कॉल और न्यायमूर्ति एमएम सुंद्रेश की एक खंडपीठ ने कहा कि मामले के घालमेल की स्थिति से 'पुलिस व्यवस्था में लोगों का विश्वास अनावश्यक रूप से डगमगा सकता है।' महाराष्ट्र के वकील ने शीर्ष अदालत से जांच 'रोकने' के निर्देश को रिकॉर्ड में दर्ज नहीं करने का अनुरोध किया, तो पीठ ने मामले में उनका आश्वासन मांगा। पीठ ने कहा, 'हमने अब मामले को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है, जांच पूरी होने से समस्या हो सकती है। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री दारियस खंबाटा ने जांच फिलहाल रोकने का आश्वासन दिया है। हम उनका आश्वासन रिकॉर्ड में दर्ज करते हैं।'

शीर्ष अदालत ने पक्षकारों से मामले के संबंध में लिखित सार दाखिल करने को कहा और मामले की आगे की सुनवाई के लिए नौ मार्च की तारीख तय की। अदालत ने मामले में घालमेल की स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण परिदृश्य है। पीठ ने कहा, 'इससे अनावश्यक रूप से पुलिस व्यवस्था में लोगों का विश्वास डगमगा सकता है। कानून की प्रक्रिया को एक तरीके से चलाया जाना चाहिए।' केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से अदालत में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने एक प्रतिवेदन दाखिल किया, जिसमें कहा गया कि सभी मामलों की जांच केन्द्रीय जांच एजेंसी से कराना सभी के हित में है। मेहता ने कहा, 'एक बार जांच शुरू होने के ०छ्ळ्ष्ठ□व्र बीच में रोकना उचित नहीं है। राज्य को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए, जिससे प्रक्रिया जटिल हो जाए।'

शीर्ष अदालत ने पहले मुंबई पुलिस को सिंह के खिलाफ जांच करने की अनुमति दी थी, लेकिन कदाचार एवं भ्रष्टाचार के आरोपों में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर आरोपपत्र दाखिल करने से रोक दिया था। महाराष्ट्र पुलिस ने पूर्व में शीर्ष अदालत से कहा था कि सिंह को कानून के तहत 'व्हिसलब्लोअर' नहीं माना जा सकता, क्योंकि उन्होंने अपने स्थानांतरण के बाद ही पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने का फैसला किया। शीर्ष अदालत ने 22 नवंबर, 2021 को सिंह को एक बड़ी राहत देते हुए महाराष्ट्र पुलिस को उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में उन्हें गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया था और आश्चर्य जताया था कि यदि पुलिस अधिकारियों और जबरन वसूली करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कराने को लेकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, तो 'आम आदमी के साथ क्या हो सकता है।'

सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं ने टीकों को लेकर बढ़ाई हिचकिचाहट

लंदन (ईएमएस)। एक अध्ययन में सामने आया है कि सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं ने टीका लगवाने के लिए हिचकिचाहट को बढ़ावा दिया है और टीकों से लाभ-हानि को लेकर गलत छवि बनाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने टीका लगवाने को लेकर हिचकिचाहट को वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क (डीटीयू) के बार्के मॉन्सटेड ने कहा टीके के समर्थक जब भी ट्विटर पर टीकों के बारे में जानकारी साझा करते हुए समाचार मीडिया और विज्ञान संबंधी साइटों का हवाला देते हैं तो हम देख सकते हैं कि टीकों का विरोध करने वालों से जुड़े प्रोफाइल्स उन यूटयूब वीडियो और साइटों का लिंक ज्यादा साझा करते हैं, जिन्हें फर्जी खबरें और साजिश वाली धारणाएं फैलाने के लिए जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि टीके की विरोधी प्रोफाइल अक्सर उन वाणिज्यिक साइटों से जुड़ी होती हैं, जो वैकल्पिक स्वास्थ्य उत्पाद बेचती हैं। यह हैरानी की बात है कि टीकों को लेकर हिचकिचाहट हितों के वित्तीय टकराव के डर से निकलती है। मॉन्सटेड ने कहा पहले के अध्ययन से पता चलता है कि वैकल्पिक स्वास्थ्य उत्पादों की बिक्री से कमायी करने वाले लोग टीकों को लेकर गलत सूचना फैलाने के जिम्मेदार होते हैं। हाल में प्रकाशित इस नए अध्ययन में कोरोना महामारी से पहले के करीब 60 अरब ट्वीट्स का विश्लेषण किया गया। मॉन्सटेड ने कहा हमने पाया कि सोशल नेटवर्क में लोग सूचना का जो स्रोत चुनते हैं, वह टीके के प्रति उनके अपने रुख पर काफी हद तक निर्भर करता है।

अमेरिका की घुड़की नजरअंदाज कर पूर्वी यूक्रेन में रूस ने भेजे सैनिक

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस के लगातार बढ़ते टकराव के चलते पूरी दुनिया की पेशानी पर चिंता की लकीरें खिंच गईं हैं। इस बीच अमेरिका की घुड़की को नजरअंदाज कर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को समर्थित क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले फरमानों पर हस्ताक्षर करने के कुछ ही घंटों बाद पूर्वी यूक्रेन के अलगाववादियों के कब्जे वाले हिस्सों में सैनिकों को भेजने का आदेश दिया है। रूस के रक्षा मंत्री क्रेमलिन ने इसे शांति व्यवस्था मिशन का नाम दिया है, लेकिन अमेरिका सहित कई अन्य देशों ने यूक्रेन पर हमले की आशंका जताई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई अमेरिकी और पश्चिमी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस का यह कमद यूक्रेन के खिलाफ एक बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत हो सकती है। सोमवार रात एक भाषण में पुतिन ने पश्चिम के साथ कीव के बढ़ते सुरक्षा संबंधों की आलोचना की। साथ ही यूएसएसआर के इतिहास और यूक्रेनी समाजवादी सोवियत गणराज्य के गठन के बारे में लंबी टिप्पणियों में यूक्रेन के आत्मनिर्णय के अधिकार पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने देश के पूर्वी हिस्से को ठप्राचीन रूसी भूमिठ कहते हुए कहा, 'यूक्रेन की कभी भी अपने राज्य की परंपरा नहीं रही है।'

पुतिन के फरमानों ने पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में दो अलग-अलग क्षेत्रों डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर और एलपीआर) पर मास्को की आधिकारिक मान्यता से अवगत कराया। फरमानों ने उन्हें स्वतंत्र राज्यों के रूप में मान्यता दी और रूसी सैनिकों के साथ उनकी सुरक्षा की गारंटी दी। फरमानों में कहा गया है कि रूसी तथाकथित शांति सेना को क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुतिन का भाषण रूसी लोगों के लिए युद्ध को सही ठहराने के लिए था। यह एक संप्रभु और स्वतंत्र यूक्रेन के विचार पर हमला है। अधिकारी ने कहा, 'एक और रूसी आक्रमण और कब्जे की मानवीय लागत विनाशकारी होगी।' यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने मंगलवार तड़के राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि रूस की कार्रवाई देश की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन करती है और यूक्रेन की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं ऐसी ही रहेंगी। ज़ेलेंस्की ने अपने वीडियो संबोधन में कहा, 'हम अपनी जमीन पर हैं। हम किसी से डरते नहीं हैं। हम किसी को कुछ भी नहीं देंगे।'

श्रीलंकाई तमिल नेताओं ने तमिलनाडु के सीएम स्टालिन को पत्र लिख भारत से मांगी सहायता

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में तमिल समस्या को समाधा को लेकर यहां के तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को पत्र लिखकर लंबित तमिल मुद्दे के स्थायी राजनीतिक समाधान और विवादित 13वां संशोधन लागू करने के लिए भारत से हस्तक्षेप करने की मांग की है। सप्ताहांत में स्टालिन को भेजे एक पत्र में टीएनए ने प्रवासी समूह ग्लोबल तमिल फोरम में कहा, 'तमिलनाडु ने, श्रीलंका की ओर भारतीय नीतियों को तय करने में हमेशा अहम भूमिका निभाई है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा अपनाए जाने वाले पथ प्रदर्शक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से काफी राहत मिलेगी।'

श्रीलंका की मुख्य तमिल पार्टी टीएनए ने कहा कि 13वें संशोधन के द्वारा संबंधित प्रस्तावित संवैधानिक प्रक्रिया से तमिल समूह राजनीतिक रूप से और कमजोर हो सकते हैं। 13वां संशोधन भारत-श्रीलंका के बीच हुए 1987 के समझौते का परिणाम है। इस समझौते पर तत्कालीन श्रीलंकाई राष्ट्रपति जेआर जयवर्द्धने और भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। इसमें श्रीलंका में अल्पसंख्यक तमिल समुदाय को शक्तियों के हस्तांतरण का प्रावधान है। बहरहाल, श्रीलंका की सत्तारूढ़ पीपुल्स पार्टी के सिंहला बहुसंख्यक नेता द्वीपीय देश की प्रांतीय परिषद व्यवस्था को पूरी तरह खत्म करने की वकालत कर रहे हैं।

श्रीलंकाई सरकार ने कहा है कि उसने नए संविधान का मसौदा कानूनी जानकारों के पास भेजा है जबकि टीएनए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात करने का इंतजार कर रही है। श्रीलंका में तीन दशकों तक चला गृह युद्ध लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) प्रमुख वी. प्रभाकरण की मौत के साथ 2009 में खत्म हुआ था। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि इस संघर्ष में 80,000-1,00,000 लोग मारे गए। इस संघर्ष में विद्रोहियों ने तमिल अल्पसंख्यकों के लिए अलग राज्य बनाने की मांग की थी। संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों पर युद्ध अपराध के आरोप लगाए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद का सत्र 28 फरवरी को शुरू होना है और यह एक अप्रैल को संपन्न होगा। सरकारी सूत्रों ने बताया कि श्रीलंकाई सरकार को गत सप्ताह यूएनएचआरसी की रिपोर्ट का मसौदा मिल गया है और इसका जवाब भी दे दिया गया है। विदेश मंत्री जीएल पीरीस जिनेवा में सरकार के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। श्रीलंका पर चर्चा तीन मार्च को होगी।

नियमित इंटरनेशनल फ्लाइट्स 15 मार्च से हो सकती हैं शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। हवाई यात्रा करने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। शीघ्र नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 मार्च से फिर से शुरू हो सकती हैं और इसके लिए भारतीय हवाई अड्डों पर प्रभावी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। यह बात सरकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मामलों में लगातार गिरावट को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के परामर्श के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने के निर्णय पर लगभग पहुंच चुका है। हालांकि, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इस संबंध में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 मार्च से फिर से शुरू होने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय आगमन के लिए 14 फरवरी से प्रभावी दिशानिर्देशों का पालन इन उड़ानों के यात्रियों के लिए हवाई अड्डों पर किया जाएगा। भारत में निर्धारित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर 28 फरवरी तक प्रतिबंध लागू है। देश में ऐसी उड़ानें 23 मार्च, 2020 से कोविड-19 महामारी के कारण निलंबित हैं। 'एयर बबल' व्यवस्था के तहत जुलाई 2020 से भारत और लगभग 40 देशों के बीच विशेष यात्री उड़ानें संचालित हो रही हैं।

पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क व लुहान्स्क को दी अलग देश की मान्यता, अमेरिका पर लगाए गंभीर आरोप

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में विद्रोहियों के कब्जे वाले शहरों डोनेट्स्क और लुहान्स्की को अलग देशों के रूप में मान्यता दे दी है। पुतिन ने डोनेट्स्क और लुहान्स्की को अलग देश के तौर पर मान्यता देने के ऐलान के साथ ही अलगाववादी नेताओं के साथ मित्रता और सहायता से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। पुतिन ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन का नाटो में शामिल होने रूस की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन परमाणु हथियार बनाने का प्रयास कर रहा है। अपने संबोधन में पुतिन ने अमेरिका और नाटो पर भी गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा यूक्रेन कठपुतली की तरह चलने वाला एक अमेरिकी उपनिवेश बन गया है। अमेरिका और नाटो ने मिलकर यूक्रेन को युद्ध का मैदान बना दिया है। पुतिन ने आगे कहा कि यूक्रेन अपने आप में सक्षम नहीं है, इसलिए अमेरिका जैसे अन्य देशों पर निर्भर रहता है। यूक्रेन में अमेरिकी दूतावास वहां बहुत कुछ कंट्रोल कर रहा है। पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन के पास पश्चिमी हथियारों का बड़ा स्टॉक भर गया है। पुतिन ने यूक्रेन की परमाणु हथियार की योजना को लेकर भी चिंता जाहिर की। इससे पहले व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने जानकारी दी थी कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन व्हाइट हाउस में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक कर रहे हैं। यह टीम उन्हें रूस और यूक्रेन के घटनाक्रम के बारे में नियमित रूप से जानकारी दे रही है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थित क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने पर विचार-विमर्श करने के लिए शीर्ष अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। राष्ट्रपति की सुरक्षा परिषद की बैठक ऐसे समय पर बुलाई गई, जब पश्चिमी देशों को इस बात का डर है कि रूस किसी भी समय यूक्रेन पर हमला कर सकता है और वह पूर्वी यूक्रेन में झड़पों को, हमले करने के लिए बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है।

इससे पहले, यूक्रेन के अलगाववादी नेताओं ने टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान के जरिए रूस के राष्ट्रपति से अनुरोध किया था कि वे अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता दें और मित्रता संधियों पर हस्ताक्षर करके उनके 'खिलाफ जारी यूक्रेनी सेना के आक्रमणों से' उनकी रक्षा करने के लिए सैन्य सहायता भेजें। रूस के निचले सदन ने भी पिछले सप्ताह इसी प्रकार की अपील की थी। यूक्रेनी प्राधिकारियों ने कोई भी आक्रमण करने से इनकार किया है और रूस पर उकसाने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि रूस ने रविवार को यूक्रेन की उत्तरी सीमाओं के पास सैन्य अभ्यास बढ़ा दिया। उसने यूक्रेन की उत्तरी सीमा से लगे बेलारूस में करीब 30,000 सैनिकों की तैनाती की है। इसके साथ ही यूक्रेन की सीमाओं पर 1,50,000 सैनिकों, युद्धक विमानों और अन्य साजो-सामान की तैनाती कर रखी है। कीव की आबादी करीब 30 लाख है।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य हासिल करने में अहम सोपान सिद्ध होगा डिफेंस एक्सपो-2022: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो-2022 की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन से रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य हासिल करने में डिफेंस एक्सपो-2022 एक महत्वपूर्ण सोपान सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट की सह-अध्यक्षता में हुई डिफेंस एक्सपो के आयोजन की एपेक्स कमेटी की बैठक में कहा कि 10 से 14 मार्च के दौरान एशिया के सबसे बड़े डिफेंस एक्सपो का आयोजन पूरे गुजरात के लिए गौरवपूर्ण घटना है। इस समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय को डिफेंस एक्सपो-2022 के सफल एवं भव्य आयोजन के लिए राज्य सरकार के संपूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि डिफेंस एक्सपो-2022 के आयोजन से रक्षा क्षेत्र के उद्योगों और उसके पूंजीनिवेशकों को गुजरात में अपना स्थायी ठिकाना बनाना का अवसर मिलेगा। उन्होंने डिफेंस एक्सपो-2022 के आयोजन को लेकर गुजरात सरकार की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की सराहना की। रक्षा राज्य मंत्री ने आगे कहा कि डिफेंस एक्सपो का यह 12वां संस्करण लैंड, नेवल और होमलैंड सिक्योरिटी सिस्टम के प्रदर्शन की मेगा इवेंट है। डिफेंस एक्सपो-2022 मेजर फॉरेन ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) यानी प्रमुख विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं को भारतीय रक्षा उद्योग के साथ सहयोग करने का अवसर मुहैया कराएगा। भट्ट ने कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के वर्ष में आयोजित डिफेंस एक्सपो-2022 की थीम 'पाथ टू प्राइड' है, जो भारत के लोगों की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को भी प्रदर्शित करेगा। उल्लेखनीय है कि डिफेंस एक्सपो-2022 में हिस्सा लेने के लिए 63 देशों की 121 विदेशी कंपनियां सहित कुल 973 कंपनियां रजिस्ट्रेशन करा चुकी हैं। आगामी दिनों में इस संख्या के और बढ़ने की संभावना है। डिफेंस एक्सपो-2022 हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा, जिसमें फिजिकल और वर्चुअल, दोनों प्रकार के स्टॉल होंगे। डिफेंस एक्सपो-2022 का आयोजन तीन स्थलों पर तीन फॉर्मेट में किया जा रहा है, जिसमें हेलिपेड एग्जीबिशन सेंटर में प्रदर्शनी, महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जीबिशन सेंटर में इवेंट्स एवं सेमिनार और साबरमती रिवरफ्रंट में आम जनता के लिए लाइव एग्जीबिशन शामिल है। डिफेंस एक्सपो-2022 की एपेक्स कमेटी की इस बैठक में गुजरात सरकार के मुख्य सचिव पंकज कुमार ने एक्सपो की तैयारियों में राज्य सरकार के सहयोग एवं रक्षा क्षेत्र में राज्य सरकार की विभिन्न पहलों की जानकारी दी। बैठक में गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना सहित तटरक्षक बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे।

गुजरात में कोरोना के 367 नए केस, 4 मौतें, एक्टिव केसों की संख्या 4000 के नीचे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना अंतिम सांसें गिन रहा है राज्य में लगातार कोरोना के मामलों में कमी आ रही है मंगलवार को राज्यभर में कोरोना के 367 नए केस दर्ज हुए, जबकि 902 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.79 प्रतिशत हो गया है आज राज्य में 4 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई वहीं आज 186089 नागरिकों को वैक्सीनेशन किया गया स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 157 नए मरीज सामने आए वहीं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 56 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए जबकि 25 जिले और 5 महानगरों में कोरोना के 1 से 31 के बीच मामले सामने आए जबकि अमरेली, भावनगर, बोटाद, जामनगर, जूनागढ़, नर्मदा, पंचमहल और पोरबंदर समेत 8 जिले और एक जूनागढ़ महानगर पालिका में कोरोना का पिछले 24 घंटों में एक भी मरीज नहीं मिला इस दौरान वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2, भरुच में 1 और पोरबंदर में 1 समेत 4 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई इसी के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10906 हो गया है पिछले 24 घंटों में 902 लोगों को डिस्चार्ज किए जाने के साथ ही राज्य में अब तक 1206445 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं फिलहाल राज्य में कोरोना के 3925 एक्टिव केस हैं 36 मरीज वेंटीलेटर पर हैं और 3889 लोग स्टेबल हैं मंगलवार को राज्य में 186089 नागरिकों का टीकाकरण किया गया जिसमें 17 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 40 को दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 3537 को कोरोना का पहला और 8343 लोगों को दूसरा टीका लगाया गया 18 से 45 वर्षीय आयु वर्ग के 12199 को पहली और 55004 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई 15 से 18 वर्षीय 7665 किशोरों को पहला और 80938 को दूसरा टीका लगाया गया वहीं 18346 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया राज्य में अब तक 10 करोड़ 24 लाख 75 हजार 788 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है

कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयराजसिंह परमार भाजपा में शामिल, सीआर पाटील ने किया स्वागत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयराजसिंह परमार ने आज भाजपा जॉइन कर ली प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने भगवा पटका पहनाकर जयराजसिंह परमार का पार्टी में स्वागत किया भाजपा मुख्यालय कमलम पहुंचने से पहले जयराजसिंह परमार ने शक्ति प्रदर्शन किया भाईजीपुरा सर्कल से कमलम तक जयराजसिंह ने समर्थकों के साथ विशाल रैली निकाली और उसके बाद विधिवत भाजपा में शामिल हो गए भाजपा जॉइन करने के बाद जयराजसिंह ने कहा कि एक जमाना था जब राजा का बेटा ही राजा होता था यह ऐसा समय था जब लड़ाई में आए दिन सत्ता बदलती रहती थी लेकिन आज लहू की एक बूंद गिरे बगैर पूरी सत्ता बदल जाती है, जिसका नाम है लोकतंत्र उन्होंने कहा कि राजनीति सेवा का विषय है स्वतंत्रता के लिए लड़ाई एक उद्देश्य के साथ की गई है मैंने अपने जीवन के 37 साल और अनेक कार्यकर्ताओं ने खून-पसीना बहाकर कांग्रेस की सेवा की ऐसे ही कार्यकर्ताओं के साथ आज भाजपा से जुड़ा हूं जो कमियां हैं उन्हें

पूरी करने आया हूं इसका आश्वासन देने आया हूं अपने वक्तव्य को एक शेर के खत्म करते हुए जयराजसिंह ने कहा 'अब तो तूफान ही करेगा फैसला रोशनी का, दिया वहीं जलेगा जिसमें दम होगा' जयराजसिंह परमार का भाजपा में स्वागत करते हुए पार्टी प्रमुख सीआर पाटील ने कहा कि आज भाजपा भरोसा कर 37 साल का कैरियर छोड़ भाजपा में शामिल हुए हैं कोई पार्टी का कार्यकर्ता प्रवक्ता अपनी पार्टी का बात करता है, लेकिन जब ऐसा लगता है कि वह रेत में जहाज चला रहा है तब निराशा होती है भाजपा प्रमुख बनने के बाद मैंने तय किया था कि कांग्रेस में से किसी को लाएंगे नहीं जयराजसिंह परमार को मैं लेने नहीं गया, बल्कि वह स्वयं मुझसे मिले हैं पार्टी के अन्य नेताओं ने भी जयराजसिंह को भाजपा शामिल करने को कहा जब परमार से उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने चुनाव लड़ने की रुचि से इंकार कर दिया जयराजसिंह परमार ने कहा कि पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी वह उसे निभाएंगे

चुनावी साल में हार्दिक पटेल क्यों याद आया पाटीदारों का मुद्दा : दिलीप सापवा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के चुनाव इसी साल दिसंबर में होने की संभावना है और उससे पहले राज्य की राजनीति गरमाती जा रही है विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल भी सक्रिय हो गए हैं और पाटीदार आंदोलन के दौरान हुए मुकद्दमे वापस लेने का राज्य सरकार को 23 मार्च तक का अल्टीमेटम दिया है हार्दिक पटेल के इस अल्टीमेटम के बाद क्रिया-प्रतिक्रिया तेज हो गई है हार्दिक पटेल के बयान को लेकर कभी उनके साथी रहे दिलीप साबवा मोर्चा खोल दिया है दिलीप साबवा ने सवाल किया है कि आखिर चुनावी वर्ष में ही हार्दिक पटेल को पाटीदारों के खिलाफ मुकद्दमों की याद क्यों आई? हार्दिक पटेल पूरे पाटीदार समाज का मुखिया बनने का प्रयास कर रहे हैं साबवा ने कहा कि हार्दिक पटेल के साथ आंदोलन से जुड़े युवक तीन साल बाद फिर पटरी पर लौट रहे हैं, ऐसे में हार्दिक पटेल उनका निजी स्वार्थ के लिए उपयोग करना चाहते हैं दिलीप साबवा ने गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख पद से इस्तीफे की मांग करते हुए युवकों से अपील की है कि वे फिर से उनकी बातों में न आएं उन्होंने राज्य की पाटीदार युवाओं से गुजरात की शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने वाले किसी भी आंदोलनों का हिस्सा नहीं बनने की अपील की राज्य सरकार ने पाटीदार युवाओं के खिलाफ दर्ज ज्यादातर मामले वापस ले लिए हैं केवल गंभीर मामले शेष रह गए हैं साबवा ने हार्दिक पटेल को चेतावनी दी है कि अगर समाज को साथ रख शांति में खलल डालने का प्रयास किया तो करारा जवाब दिया जाएगा बता दें कि पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के पूर्व कन्वीनर रहे दिलीप साबवा गत अक्टूबर महीने में भाजपा में शामिल हो गए थे इससे पहले भी दिलीप साबवा कई मौकों पर हार्दिक पटेल को आड़े हाथ ले चुके हैं कुछ समय पहले साबवा ने कहा था कि हार्दिक पटेल समाज के कंधे पर बंदूक रख चलाते हैं आंदोलन की आड़ में दंगे भड़काने का काम करते हैं हार्दिक पटेल एक अवसरवादी है और कांग्रेस के अवसरवादी लोग समाज के युवाओं को भड़काकर गुजरात माहौल खराब कर चुके हैं

गुजरात कांग्रेस प्रमुख के बेटे की मनमानी से परेशान पार्टी के एक और नेता का इस्तीफा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस एक ओर आगामी विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश संगठन को मजबूत करने और नए पदाधिकारियों की नियुक्ति में व्यस्त है, दूसरी ओर एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ भाजपा जॉइन कर रहा है बीते दिन हीराभाई पटेल और पूर्व प्रदेश प्रवक्ता भरत देसाई समेत 200 जितने लोग भाजपा में शामिल हो गए कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयराजसिंह परमार के भाजपा में शामिल होने से पहले कांग्रेस का एक और विवाद सामने आ गया है प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी विजय दवे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है विजय दवे का कहना है कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर के पुत्र नैनेश ठाकोर पार्टी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखलंदाजी कर रहे हैं नैनेश ठाकोर की तानाशाही मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता विजय दवे ने इस संदर्भ में राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल से हस्तक्षेप करने की अपील की है बता दें कि बीते दिन लूणावाडा के पूर्व विधायक हीरा पटेल, पूर्व प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता भरत देसाई के अलावा राकेश गोस्वामी, अमित धोब, जेएन पटेल, मोती पटेल, अरविंद पटेल समेत बिग ह्यूमन ग्रुप के कार्यकर्ता और सेक्युलर किसान सेना के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए थे

गुजरात कांग्रेस करेगी चिंतन शिविर का आयोजन

अहमदाबाद, २२ फरवरी । गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस आगामी २५ से २७ फरवरी तक देवभूमि द्वारिका में चिंतन शिविर का आयोजन करेगी जिसमें पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शिरकत करेंगे । गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष जगदीश ठाकोर, पूर्व अध्यक्ष अमित चावड़ा, प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता पूंजा जी वंश आदि नेताओं ने सोमवार को ही द्वारका पहुंचकर चिंतन शिविर की तैयारियों का जायजा लिया तथा शिविर की रूपरेखा पर चर्चा की । कांग्रेस के चिंतन शिविर का प्रमुख उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल करना होगा । गुजरात में करीब २७ साल से सत्ता से दूर कांग्रेस गत विधानसभा चुनाव में बहुमत के करीब पहुंचकर पिछड़ गई थी । कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी २५ फरवरी को द्वारिका आएंगे तथा भगवान द्वारिकाधीश के दर्शन व पूजा -अर्चना के बाद कांग्रेस के चिंतन शिविर में शामिल होंगे । राजनीतिक हलके में राहुल गांधी के इस दौरे को गुजरात में विधानसभा के चुनाव प्रचार का आगाज माना जा रहा है । गुजरात कांग्रेस इस चुनाव में युवाओं एवं महिलाओं को केंद्र में रखकर अपनी रणनीति बना रही है । हाल ही सूरत में हुई किशोरी की हत्या तथा अन्य सिलसिलेवार हत्याओं की घटनाओं को लेकर कांग्रेस राज्य सरकार पर हमलावर है । सूरत में दिनदहाड़े एकतरफा प्रेम में पागल एक सनकी युवक ने लोगों की भीड़ के सामने सरेआम नाबालिग के गले में चाकू घोंप कर हत्या कर दी थी ।

इस घटना के बाद राज्य में इसी तरह की दो तीन और घटनाएं हुई हैं जिसके कारण महिलाओं में दहशत है । सरकार महिला सुरक्षा को लेकर काफी सतर्क नजर आ रही है लेकिन इसके बावजूद भी इस तरह की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है । कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर, महासचिव निशित व्यास, विधायक श्री जी चावड़ा विधायक बलदेव ठाकुर आदि नेताओं ने गांधीनगर के अमराईपुर गांव में किशोरी का गला रेतकर हत्या करने के प्रयास की घटना पर नाराजगी व्यक्त की ।

पुलिस ने ५ दिनों में ही पेश की २५०० पेज की चार्जशीट

सूरत, २२ फरवरी । सूरत के बहुचर्चित ग्रीष्मा वेकरिया हत्याकांड के मामले में पुलिस ने आरोपी फेनिल के खिलाफ सिर्फ पांच दिनों में साक्ष्य जुटाकर सोमवार को २५०० पेज की चार्जशीट कोर्ट में पेश की है । पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बेहद बारीकी से सभी तरह के साक्ष्य जुटाए गए हैं । इनमें चश्मदीदों के साथ साइंटिफिक और डिजिटल साक्ष्य भी शामिल हैं । मौके पर मौजूद विभिन्न गवाहों के अलावा आरोपी फेनिल के मोबाइल से मिले सबूत, ऑडियो क्लिप, एफएसएल रिपोर्ट आदि महत्वपूर्ण हैं । पुलिस ने बताया कि चार्जशीट तो रविवार को ही तैयार कर ली गई थी । लेकिन रविवार को छुट्टी होने के कारण सोमवार को कोर्ट में पेश की गई । चार्जशीट तैयार करने के बाद जांच में जुटे सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर चर्चा भी की गई । कामरेज में १२ फरवरी को ग्रीष्मा वेकरिया की एकतरफा प्रेम में पागल फेनिल गोयाणी ने सरेआम गला काटकर हत्या कर दी थी । बाद में उसने खुद के हाथों की नस काटकर जहर खाने का नाटक किया था । इस घटना के विडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गए थे । इसके चलते सूरत सहित पूरे राज्य में सनसनी फैल गई थी । आरोपी को कोर्ट में पेश करने पर पुलिस को तीन दिन की रिमांड मिली थी । इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में लाजपोर जेल भेज दिया गया था ।

सिंटेक्स कंपनी के माल लदे ट्रक चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा

अहमदाबाद (ईएमएस) असलाली के गोदाम में पार्क ट्रक की चोरी हो गई थी चोरी हुए ट्रक में 25 लाख रुपए कीमत से अधिक का माल लदा हुआ था तीन महीने पुराने चोरी के इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य दो शख्सों की तलाश कर रही है जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद में लांभा हाईवे के निकट अमित एक्सप्रेस नामक गोदाम में तीन महीने पहले एक ट्रक पार्क किया गया था ट्रक में सिंटेक्स कंपनी का करीब रु. 25 लाख का माल लदा हुआ था, जिसे कलोल से केराला पहुंचाया जाना था लेकिन दिवाली का त्यौहार होने की वजह से ड्राइवर ने ट्रक को गोदाम में पार्क किया और गांव चला गया 10 दिनों तक माल समेत ट्रक गोदाम में पड़ा रहा और उसके बाद चोरी हो गया गांव से लौटा ड्राइवर जब गोदाम पहुंचा तो चौंक उठा गोदाम में ट्रक नदारद था मामला पुलिस थाने पहुंचने जांच पड़ताल शुरू हुई तीन महीने बाद असलाली पुलिस ने ट्रक चोरी में संलिप्त मेहबूबअली रंगरेज नामक शख्स को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया मेहबूबअली से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार असलाली पुलिस ने राजवीर सैनी और प्रभोव जैन को भी दबोच लिया पूछताछ में पता चला कि ट्रक में लदा सिंटेक्स कंपनी का माल प्रभोव जैन और राजवीर सैनी ने मेहबूबअली से खरीदा था इस खुलासे के बाद पुलिस ने राजस्थान के सागवाडा के निकट एक गोदाम से रु. 15 लाख माल बरामद किया राजवीर सैनी द्वारा राजस्थान के उदयपुर के निकट गोदाम में रखा माल भी पुलिस ने बरामद कर लिया चोरी के इस मामले में 5 आरोपी हैं, जिसमें मेहबूबअली रंगरेज, प्रभोव जैन और राजवीर सैनी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि कासिम और इमरान नामक शख्सों की पुलिस तलाश कर रही है

राजकोट में रौब जमाने के लिए युवक ने की हवा में फायरिंग

राजकोट, २२ फरवरी । सोशल मीडिया में कई शादी प्रसंग, डायरा या गरबा में हवा में फायरिंग होने का विडियो देखा होगा, ऐसी ही एक घटना राजकोट में हुई है । राजकोट में एक युवक द्वारा हवा में फायरिंग करता विडियो वायरल हुआ है । जिसकी वजह से खलबली मच गई है । रमेश खीमाणिया नाम के युवक द्वारा कालावड रोड पर मोटल द विलेज के पास फायरिंग करता विडियो वायरल हुआ है । इस घटना में मिली जानकारी के अनुसार राजकोट कालावड रोड पर स्थित मोटल द विलेज के पास खड़े होकर एक शख्स जैसे कानून का खुलेआम भंग करता हो इस तरह हवा में बंदूक से धड़ाका करता विडियो वायरल हुआ है । हवा में फायरिंग करने वाले शख्स का नाम रमेश खीमणिया होने का सामने आया है । यह घटना सामने आने पर ही पुलिस सक्रिय होकर आगे की कार्यवाई शुरू कर दी है । वायरल हुए विडियो में युवक द्वारा की गई फायरिंग के विडियो में आवाज स्पष्ट सुनाई दे रहा है । अब लोगों के मन में एक ही सवाल पैदा हो रहा है कि क्या हवा में फायरिंग करके रौब जमाने वाला रमेश खीमणिया की खुलेआम सबक सिखाकर पुलिस इसे कानून का पाठ पढ़ाएगी की नहीं या तो दूसरे केस के जैसे बड़े लोगों के द्वारा यह केस भी दबा दिया जाएगा । यह तो आगामी समय दिखाएगा ।

अहमदाबाद के पति पत्नी और वो का मामला पति अन्य महिला के प्रेम में पड़ने पर पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई

अहमदाबाद, २२ फरवरी । शहर में फिर एक बार पति पत्नी और वो का मामला सामने आया है । एक युवती ने अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है । पति व्यस्त होने से युवती को आशंका होने पर मोबाइल के द्वारा जानकारी मिली कि, वह अन्य महिला के प्रेम में है । जिसकी वजह से यह संबंध तोड़ने के लिए कहने पर पति इमोशनल ब्लैकमेल करने लगा और आगे उसने प्रेमिका के साथ दुबई चले जाने की धमकी दी थी । एक दिन पासपोर्ट और दस्तावेज लेकर पति कहीं चले जाने पर आखिर में युवती ने पुलिस की मदद लेने पर पुलिस ने अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है । पॉश इलाके में रहती ३३ वर्षीय युवती फिलहाल अपने पति सास ससुर और दो संतान के साथ रहती है । युवती ने वर्ष २०१२ में शादी की थी । बाद में पति के साथ मणिनगर में रहने गई थी और वर्ष २०१८ में नवरंगपुरा में रहने आई थी । दो एक वर्ष पहले युवती का पति फोन में लगातार व्यस्त रहता था । इसके साथ ही बटवा जीआईडीसी में स्थित कारखाने में जाए तो वहां मीटिंग होने का बताकर वह घर पर भी लेट आता था । युवती को आशंका होने पर उसने पति का फोन देखा तो इसमें इसने अन्य महिला के साथ इसके पति को संबंध होने की जानकारी मिली थी । जिसकी वजह से युवती ने पति को यह अन्य संबंध छोड़ देने के लिए कहने पर पति ने संबंध खत्म कर देने को कहा था । फिर से दो एक महीने पहले इसका पति फोन में व्यस्त रहने पर और मीटिंग के बहाना निकालकर व्यस्त रहने पर युवती ने जांच की तो जानकारी मिली कि, फिर से उसने यह महिला के साथ संबंध है । जिसकी वजह से फिर से यह संबंध छोड़ देने के लिए कहने पर डिवोर्स देने का कहकर मानसिक अत्याचार देना शुरू करके इमोशनल ब्लैकमेल करने लगा था । बाद में पति ने धमकी दी कि यदि तू मुझे यह संबंध छोड़ देने के लिए कहेगी तो प्रेमिका के साथ दुबई चला जाऊंगा । यह मामले में युवती ने सास ससुर को जानकारी दी । उस दिन से आज दिन तक पति का कोई पता नहीं लगा आखिर में पति के खिलाफ युवती ने शिकायत दर्ज कराई है ।

महागुजरात के प्रणेता इंदुलाल याज्ञिक की जयंति पर विधानसभा अध्यक्षा ने दी पुष्पांजलि

अहमदाबाद (ईएमएस) महागुजरात आंदोलन के प्रणेता स्व. इंदुलाल याज्ञिक की जयंति पर विधानसभा पोडियम स्थित उनके तैल चित्र पर विधानसभा की अध्यक्षा डॉ. नीमाबेन आचार्य ने पुष्पांजलि अर्पण की इस मौके पर डॉ. आचार्य ने कहा कि इंदु चाचा के नाम से पहचाने जाते इंदुलाल याज्ञिक ने पत्रकार के रूप में अपना कैरियर शुरू किया था बाद में उन्होंने गांधी जी, सरदार पटेल के साथ स्वतंत्रता संग्राम के तहत विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय भाग लिया महागुजरात आंदोलन के लोकप्रिय, संघर्षशील और सक्रिय नेता रहे इंदु चाचा का आत्मकथा, नवलकथा, व्यक्ति-चरित्र-लेख, ग्रंथ, अनुभव-चित्र, परिचय पुस्तिका, संपादन ग्रंथों समेत साहित्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है विधानसभा के पूर्व सभागृह राठवा ने इंदु चाचा के स्वतंत्रता संग्राम के योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पण की इस मौके पर राज्य मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी, कृषि मंत्री राघवजी पटेल, आदिजाति विकास मंत्री नरेश पटेल, उद्योग राज्यमंत्री जगदीश विश्वकर्मा, श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री ब्रिजेश मेरजा, परिवहन राज्य मंत्री अरविंद रैयाणी, शिक्षा राज्यमंत्री कुबेर डिंडोर, पशुपालन राज्यमंत्री देवा मालम, पूर्व मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडासमा के अलावा विधायक, विधानसभा के सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों ने इंदु चाचा के तैल चित्र को पुष्पांजलि अर्पण की

युवक ने बेटे के साथ प्ले हाउस में पढ़ती मासूम को पीट दिया

सीसीटीवी में देख सकते है कि युवक मासूम बच्ची के मुंह पर हाथ में रही पानी की बोतल निर्दयता से मारता है

राजकोट, २२ फरवरी । फिलहाल में ही सूरत के रांदेर क्षेत्र में ८ महीने की बच्ची को आया ने निर्दयतापूर्वक पीटने का मामला सामने आया है । यह मामले में बच्ची को ब्रेइन हेमरेज हो जाने की वजह से उपचार के लिए निजी अस्पताल में भेजा गया । पूरे मामले का सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया में वायरल होने पर घटना मामले में केयर टेकर विरोध लोगों में नाराजगी देखने को मिली है । सूरत के रांदेर क्षेत्र में हुई घटना की प्रतिक्रिया अभी शांत नहीं हुई है तब ही राजकोट शहर के गांधीग्राम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में इसी प्रकार का एक मामला सामने आया है । यह मामला भी सीसीटीवी में कैद हो गया है । अब पूरे मामले में गांधीग्राम पुलिस को जानकारी मिलने पर गांधीग्राम पुलिस ने मासूम को पीटने वाले शख्स को हिरासत में ले लिया है ।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार राजकोट शहर के गांधीग्राम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित सुंदरम सिटी अपार्टमेंट की बी विंग में रहता एक युवक ने लिफ्ट में एक बच्ची को पीटा था । मिली जानकारी के अनुसार युवक जो बच्ची को पीट रहा है वह इसकी ही बेटी के साथ प्ले हाउस में पढ़ती होने का सामने आया है । सीसीटीवी में स्पष्ट रूप से देख सकते है कि किस तरीके से युवक मासूम बच्ची के मुंह पर अपने हाथ में रही पानी की बोतल निर्दयता से मार रहा है । मुंह पर पानी की बोतल लगने की वजह से कुछ देर के लिए बच्ची चुप हो जाती है । बच्ची किसी भी प्रकार से आवाज नहीं करे इसके लिए युवक इसे चुप ही रहने का इशारा करता है । बच्ची घर पर जाने के बाद शरीर पर चोट के निशान देखने को मिलने पर बच्ची के मां-पिता को बच्ची के साथ कुछ हुआ होने लगा था । पूरे मामले में बच्ची को पूछने पर बच्ची ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी । लिफ्ट के सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर पूरा मामला किस तरीके से हुआ था यह सामने आया । यह पूरे मामले में बच्ची के परिजनों द्वारा पुलिस को जानकारी दिए जाने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर गांधीग्राम पुलिस को परिजनों द्वारा इस मामले का सीसीटीवी फुटेज दिया गया ।

पश्चिम रेलवे ने प्रारंभिक राजस्व में 13000 करोड़ रुपये का बड़ा आँकड़ा किया पार

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम संभव प्रयास कर रही है और उसने इसकी गति को बनाए रखा है। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न सबसे कठिन चुनौतियों के बावजूद पश्चिम रेलवे ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे ने 21 फरवरी, 2022 को 13,000 करोड़ रुपये के प्रारंभिक राजस्व के आँकड़े को पार कर लिया। यह भी उल्लेखनीय है कि सिर्फ 21 फरवरी, 2022 को यात्री राजस्व में 17.14 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्तख हुआ जो कि कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के बाद से एक दिन में सर्वाधिक यात्री राजस्व है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 1 अप्रैल, 2021 से 21 फरवरी, 2022 की अवधि के दौरान पश्चिम रेलवे ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 28% से अधिक की वृद्धि दर्ज करते हुए 13090 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया। इसमें यात्री सेक्टर से 3126 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है और माल सेक्टर से 9618 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं जबकि पार्सल और सामान ढुलाई से 259 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इसके अलावा टिकट जाँच से 88 करोड़ रुपये का योगदान मिला है। पश्चिम रेलवे ने कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन के बाद से 21 फरवरी, 2022 को यात्री राजस्व से 17.14 करोड़ रुपये का एक दिन का सर्वाधिक राजस्व भी प्राप्त किया। इनमें से 2.14 करोड़ रुपये और 0.71 करोड़ रुपये क्रमशः यूटीएस उपनगरीय एवं यूटीएस गैर-उपनगरीय क्षेत्रों से जबकि 14.29 करोड़ रुपये पीआरएस बुकिंग से प्राप्त हुए हैं। ठाकुर ने यह भी बताया कि नीतियों में व्यापक बदलाव और विभिन्न क्षेत्रों में पश्चिम रेलवे द्वारा आक्रामक विपणन प्रयासों से राजस्व में निरंतर वृद्धि हुई है। इस दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि मुंबई सेंट्रल मंडल ने पार्सल राजस्व में पहली बार 100 करोड़ रुपये के आँकड़े को पार किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 90% अधिक है। साथ ही, मुंबई मंडल ने माल ढुलाई क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में 62% की वृद्धि दर्ज करके उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र

ई-निविदा संख्याः EPC_WR_SnT_01R दिनांकः 07/02/2022, यह अधिसूचित किया जाता है कि निविदा दस्तावेज एक में संलग्नक का जोड़। अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें www.ireps.gov.in अन्य सभी नियम और शर्तें वही रहेंगी वही। डी-0735

facebook.com/westernRly

आईटीआई म्यूचुअल फंड ने आईटीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड लॉन्च किया एनएफओ 07 मार्च, 2022 को बंद होगा

मुंबई, 22 फरवरी, 2022: आईटीआई म्यूचुअल फंड ने 'आईटीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड' लॉन्च करने की घोषणा की है और एनएफओ 21 फरवरी, 2022 को खुला एवं 07 मार्च, 2022 को बंद होगा। फंड उच्च गुणवत्ता वाले डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा और निफ्टी 50 इंडेक्स के प्रमुख शेयरों में भी निवेश करेगा। फंड का प्रबंधन श्री विक्रांत मेहता और श्री प्रदीप गोखले द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

फंड इक्विटी और इक्विटी से संबंधित उपकरणों के सीमित जोखिम के माध्यम से पूंजी वृद्धि के साथ-साथ ऋण और मुद्रा बाजार के साधनों में निवेश के माध्यम से नियमित आय उत्पन्न करेगा। हालांकि, इस बात का कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है कि स्कीम के निवेश उद्देश्य को पूरा ही किया जाएगा।

एनएफओ के लॉन्च की घोषणा करते हुए, श्री जॉर्ज हेबर जोसेफ, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य निवेश अधिकारी, आईटीआई म्यूचुअल फंड कहते हैं, "हम निवेशकों को आईटीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड की पेशकश करके काफी रोमांचित हैं और हमारा मानना है कि इसमें उन निवेशकों द्वारा पैसा लगाये जाने की बहुत अधिक संभावना है जो मुख्य रूप से पारंपरिक बचत उत्पादों में निवेश कर रहे हैं। इस फंड का न्यूनतम 75% उच्च गुणवत्ता वाले डेट सिक्योरिटीज में निवेश होगा और शेष राशि निफ्टी 50 इंडेक्स से संबंधित कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश की जाएगी। इक्विटी में निवेश एयूएम के 10% -25% के बीच होगा और निवेशकों को एक सहज निवेश अनुभव देने के लिए गतिशील रूप से प्रबंधित किया जाएगा। यह वितरकों के लिए एक अद्भुत मूल्य वर्धित उत्पाद हो सकता है जिससे उन्हें म्यूचुअल फंड जगत में नए निवेशक को जोड़ने में मदद मिलेगी और उन्हें तैयार, स्थिर और विकास का अनुभव प्राप्त हो सकेगा। ''

ज्ञान मार्ग में समाधान है ध्यान एकाग्रता और समाधि॥

ज्ञान मार्ग में डिबेट चर्चा डायलॉग बहुत होते हैं पहुँचना रह जाता है!

संपन्न लोग सब कुछ सहन कर सकते हैं लेकिन किसी की फकीरी सह नहीं सकते॥

शास्त्र प्रतीति गुरु प्रतीति और आत्म प्रतीति तीन वस्तु से समाधान मिलता है॥

चौथे दिन की कथा प्रारंभ पर मुख्य यजमान को देखकर बापू ने बताया कि किसी का धन देखकर, भजन देखकर,वजन देखकर या कोई रीजन देखकर नहीं लेकिन केवल उसका मन देखकर मैं कथा देता हूं॥संस्कृत और प्राकृत भाषा में समाधान के पर्याय सगोत्र शब्द प्राप्त होते हैं वेदांत के दर्शन के अनुरूप समाधान के दो अर्थ है: एक ज्ञान परख अर्थ और एक भक्ति मार्गी अर्थ है। ज्ञान परक अर्थ में ध्यान-एकाग्रता और भक्ति परख में तन्मयता है। ज्ञान में एकाग्रता है।

सुना है आप तो अभी ही आए हैं शायद!

तो मैं फिर किससे बात करता हूं!!

- फहमी बदायूनी का यह शेर यह है तन्मयता॥

और एक अर्थ है निर्विकल्प समाधि॥ संस्कृत शब्दकोश में यह भी लिखा है कि जिज्ञासा पूर्वक कोई श्रोता पूछे उसे पूरा संतोष हो वैसा जवाब वक्ता दे यह है समाधान॥ पतावट कर दिए वह लौकिक है। संस्कृत में तीसरा अर्थ है कृतकृत्य भाव,धन्य हो जाना॥

नाथ कृतारथ भयउ तव दर्शन खगराज...

सदा कृतारथ रूप तुम्ह कह मृदु बचन खगेश।

जेहि के अस्तुति सादर निज मुख किन्ही महेश॥

ज्ञान मार्ग में समाधान है ध्यान एकाग्रता और समाधि॥ और भक्ति मार्ग,वारकरी संप्रदाय उसे प्रपत्ति मार्ग कहते हैं। और वार का मतलब है आना-जाना। वारकरी संप्रदाय में नव मुद्दे दिए हैं समाधान के।ज्ञानेश्वर,एकनाथ,तुकाराम से भी बहुत अर्थ मिलते हैं। भक्ति मार्ग में तृप्ति और संतुष्टि अहोभाव,पूर्णाहुति,धन्योहं,शिवोहं, सच्चिदानंदोहं ऐसे अर्थ किए जा सकते हैं॥

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95